मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 300
बुधवार, 20 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पीएम मोदी की नॉर्वे यात्रा से पूरी दुनिया में मची हलचल, भारत की ताकत देखकर दंग रह गए यूरोपीय देश

नॉर्वे, 19 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नॉर्वे यात्रा ने भारत और नॉर्वे के संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। ओस्लो में दोनों देशों ने अपने रिश्तों को हरित रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने की घोषणा की। यह कदम स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, समुद्री अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, निवेश और व्यापार के क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग का आधार भी माना जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार इस नई साझेदारी से जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित आपूर्ति श्रृंखला, समुद्री अर्थव्यवस्था और टिकाऊ विकास के क्षेत्रों में सहयोग को रणनीतिक दिशा मिलेगी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के बाद कहा कि भारत और नॉर्वे के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दोनों देशों को उन ताकतों के खिलाफ साथ खड़ा होना होगा जो कूटनीति, व्यापार और प्रौद्योगिकी का हथियार की तरह उपयोग करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत और नॉर्वे की साझेदारी अब स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास, हरित नौवहन और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। उन्होंने इसे दोनों देशों के भविष्य के लिए निर्णायक कदम बताया।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे यात्रा इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि चार दशक से अधिक समय बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने नॉर्वे का दौरा किया है। ऐसे समय

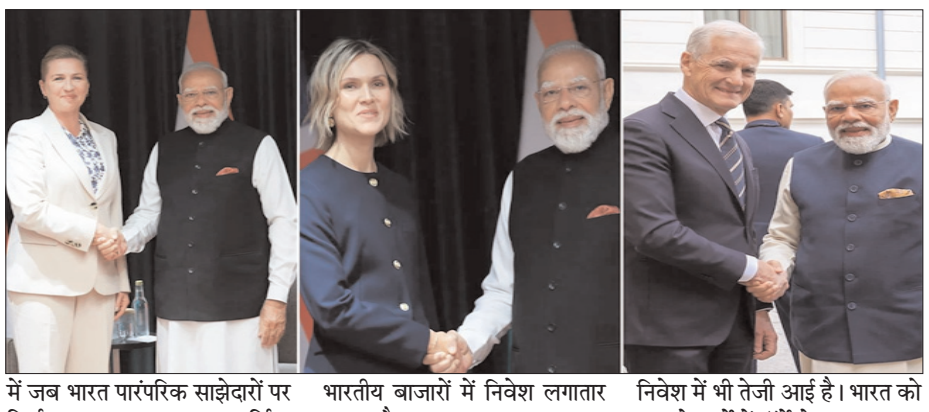

में जब भारत पारंपरिक साझेदारों पर निर्भरता कम कर नए आर्थिक सहयोगियों की तलाश कर रहा है, नॉर्वे एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में उभर रहा है। नॉर्वे का सरकारी पेंशन कोष दुनिया के सबसे बड़े संप्रभु निवेश कोषों में गिना जाता है और पिछले कुछ वर्षों में उसने भारतीय बाजारों में निवेश लगातार बढ़ाया है।

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के मामले में नॉर्वे का हिस्सा 1.95 प्रतिशत था, जो 2025 तक बढ़कर 3.87 प्रतिशत हो गया। महामारी के बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भी तेजी आई है। भारत को हाल के वर्षों में नॉर्वे से लगभग 693 मिलियन डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ है। व्यापार के स्तर पर भी संबंध मजबूत हो रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 में भारत का नॉर्वे को निर्यात बढ़कर लगभग 472 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि आयात लगभग 635 मिलियन डॉलर रहा।

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग को नया आयाम देना भी शामिल है। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग ने नॉर्वे में पांच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा, समुद्री ऊर्जा, अपतटीय पवन ऊर्जा, कार्बन नियंत्रण, जैव आधारित प्रौद्योगिकी और भू विज्ञान के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को नॉर्वे के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया।

पेट्रोल-डीजल की महंगाई पर खरगे का पीएम मोदी पर हमला

नई दिल्ली, 19 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ईंधन की कीमतों में हुई हालिया वृद्धि को लेकर हमला बोला और सरकार पर नागरिकों पर बोझ डालने और कथित तौर पर व्यापारिक हितों की रक्षा करने का आरोप लगाया। उनकी यह टिप्पणी मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि के बाद आई है। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा लगभग चार साल के अंतराल के बाद कीमतों में संशोधन समाप्त करने के बाद एक सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी वृद्धि है।

एक्स से बात करते हुए खरगे ने कहा कि कीमतों में वृद्धि के महज चार दिन बाद, मोदी सरकार ने एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आम जनता को लूटना और अडानी को अमेरिका में खुली छूट देना - यही मोदीजी का समझौतावादी मॉडल है। खरगे की टिप्पणी न्यूयॉर्क में प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी मामले में गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से हटाने के अमेरिकी न्याय विभाग के फैसले के संदर्भ में थी। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने के मामले में सरकार पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि मोदी जी, जो खुद को 'विश्वगुरु' बताकर झूठा गर्व जताते हैं, उन्होंने रूस से तेल खरीदने की 'अनुमति' के लिए अमेरिका से एक महीने का विस्तार देने की भीख मांगी है। जब भी वे ऐसा करते हैं, वे 1.4 अरब भारतीयों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाते हैं।

जब तक मौजूदा सरकार नहीं बदलती, महंगाई बढ़ती रहेगी: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 19 मई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और चेतावनी दी कि देश एक बड़े आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार पर आम नागरिकों की चिंताओं को नजरअंदाज करने का आरोप भी लगाया। बछरावां में एक वेडिंग हॉल का उद्घाटन करने के बाद रायबरेली में एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि एक आर्थिक तूफान आ रहा है और दावा किया कि केंद्र सरकार देश को इसके प्रभाव के लिए तैयार करने में विफल रही है। पश्चिम एशिया में तनाव का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित

कर दिया है, क्योंकि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कड़ा कर दिया है, जिससे होकर दुनिया के तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। राहुल गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक मौजूदा सरकार नहीं बदलती, महंगाई बढ़ती रहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह कभी नॉर्वे का दौरा करते हैं, कभी जापान का, जबकि लोगों से विदेश यात्राओं से बचने का आग्रह करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मौजूदा सरकार नहीं बदलती, महंगाई बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी देश से सोना न खरीदने, इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करने और विदेश यात्रा से बचने का आग्रह करते हैं, लेकिन इसके तुरंत बाद ही वह विदेश यात्रा पर निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि दुख की बात यह है कि एक भयंकर आर्थिक तूफान आ रहा है, जिसे कोई नहीं रोक सकता, ऐसा तूफान हमने अपने जीवन में कभी नहीं देखा ह्न दर्शकों से सवाल करते हुए उन्होंने पूछा कि नुकसान किसका होगा? और उन्होंने जवाब दिया, ह्न तो अंबानी का होगा और न ही अदाणी का। वे अपने महलों में बैठे रहेंगे, जिनकी चारों तरफ से सुरक्षा है।

नीट पेपर लीक के बाद एक्शन में धर्मेंद्र प्रधान, बोले- पुनर्परीक्षा में कोई गलती बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 19 मई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को आगामी NEET (UG) पुनर्परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत त्रुटिरहित परीक्षा आयोजित करने की मांग की। उच्च स्तरीय बैठक के दौरान, प्रधान ने परीक्षा के संचालन में पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पिछली परीक्षा प्रक्रिया में पाई गई सभी कमियों को व्यापक रूप से दूर किया जाए।

यह बैठक NEET-UG 2026 विवाद और परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर जारी चिंताओं के बीच हुई है। समीक्षा के दौरान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पुनर्परीक्षा आयोजित करने से पहले पिछली परीक्षा प्रक्रिया में पाई गई कमियों को व्यापक रूप से दूर किया जाना चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों को परीक्षा प्रक्रिया में मौजूद खामियों को दूर करने का निर्देश दिया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि पुनः नीट परीक्षा सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षित, सुचारू और त्रुटिरहित तरीके से आयोजित की जाए। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां भी पहले खामियां पाई गई हों, वहां सुधारात्मक उपाय लागू किए जाएं।

मंत्री ने जमीनी स्तर पर निगरानी

तंत्र को मजबूत करने के लिए केंद्रीय और स्थानीय अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय का भी आह्वान किया। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए प्रधान ने निर्देश दिया कि सभी राज्यों के जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की जाएं। इस कदम का उद्देश्य परीक्षा केंद्रों पर निगरानी बढ़ाना, अनियमितताओं को रोकना और परीक्षा से पहले और परीक्षा के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है।

NEET UG की पुनर्परीक्षा 21 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा भारत और विदेश के विभिन्न शहरों में पेन और पेपर मोड में होगी। परीक्षा 13 भाषाओं में आयोजित की जाएगीः अंग्रेजी, उड़िया, हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगाली, उर्दू, मराठी, मलयालम, गुजराती, पंजाबी, असमिया और कन्नड़। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, परीक्षा व्यवस्थाओं की प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राज्यों के जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधीक्षकों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

एमके स्टालिन का बड़ा दावा- विजय की सरकार कभी भी गिरेगी

तमिलनाडु। खबरों के मुताबिक, डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने पार्टी नेताओं को चेतावनी दी है कि विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार कभी भी गिर सकती है और कार्यकताओं से समय से पहले विधानसभा चुनाव की संभावना के लिए तैयार रहने का आग्रह किया है। ये टिप्पणियां अभिनेता-राजनेता जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के नाटकीय उदय के बाद राज्य में जारी राजनीतिक अनिश्चितता के बीच आई हैं। टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और इसने डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों के वर्चस्व को समाप्त कर दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, स्टालिन ने जिला सचिवों से कहा कि वर्तमान राजनीतिक स्थिति नाजुक बनी हुई है और पार्टी को किसी भी समय चुनाव के लिए तैयार रहना चाहिए।

दिल्ली का 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' योजना बना महिलाओं की पहली पसंद

नई दिल्ली, 19 मई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार द्वारा कार्यान्वित दिल्ली परिवहन निगम की 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' योजना के तहत 8 लाख से अधिक स्मार्ट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। पिंक कार्ड महिलाओं के लिए सुरक्षित, आधुनिक और बाधा-मुक्त सार्वजनिक परिवहन सुनिश्चित करेंगे। यह उपलब्धि न केवल योजना की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर महिलाओं के बढ़ते भरोसे को भी उजागर करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आसानी से कार्ड बनवाने में मदद करने के लिए लगातार विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' केवल मुफ्त यात्रा की सुविधा नहीं है, बल्कि महिलाओं को गरिमापूर्ण, सुरक्षित और

डिजिटल रूप से सशक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने का एक साधन बन गया है। गुप्ता के अनुसार, जब सार्वजनिक परिवहन सुरक्षित, सुलभ और प्रौद्योगिकी-आधारित हो जाता है, तो शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता में महिलाओं के लिए अवसर स्वाभाविक रूप से बढ़ जाते हैं।

मुख्यमंत्री का मानना है कि यह योजना राष्ट्रीय राजधानी की महिलाओं को अधिक आत्मविश्वास और स्वतंत्रता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को पूरी तरह से महिला-अनुकूल, स्मार्ट और विश्व स्तरीय बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल शासन और आधुनिक तकनीक के माध्यम से सरकार परिवहन सेवाओं को अधिक पारदर्शी, कुशल और सुरक्षित बनाने के लिए काम कर रही है। गुप्ता ने यह भी बताया कि सरकार ने पिंक कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

महिलाओं के लिए कार्ड के लिए पंजीकरण को आसान बनाने के लिए दिल्ली भर की आवासीय कॉलोनियों और सरकारी कार्यालयों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड एनसीएमसी आधारित 'टैप-एंड-गो' तकनीक पर काम करता है।

देश से नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है: अमित शाह

बस्तर, 19 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर का दौरा किया और कहा कि देश से नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि मैं 31 मार्च, 2026 के बाद पहली बार बस्तर आया हूँ। यहाँ केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक हुई। बस्तर के लोगों में उत्साह और भविष्य के प्रति आत्मविश्वास का माहौल हर जगह दिखाई दे रहा है। बस्तर का नक्सल मुक्त होना हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। अमित शाह ने कहा कि कई गैर-भाजपा सरकारों ने

हमारे नक्सल मुक्त अभियान का समर्थन किया। लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने नक्सल मुक्त अभियान में हमारा साथ नहीं दिया। 13 दिसंबर, 2023 को यहाँ भाजपा सरकार बनने के तुरंत बाद, हमने बस्तर में बचे हुए नक्सलियों को निशाना बनाया। सुरक्षा बलों की वीरता, साहस और बलिदान के कारण, निर्धारित तिथि 31 मार्च, 2026 से पहले ही देश से नक्सलवाद का पूर्णतः उन्मूलन हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, हमारा लक्ष्य कौशल विकास के माध्यम से स्वरोजगार, शिक्षा के माध्यम से सरकारी नौकरियां, शिक्षा के माध्यम से निजी रोजगार और कौशल विकास के माध्यम से निजी रोजगार के अवसर पैदा करना है।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

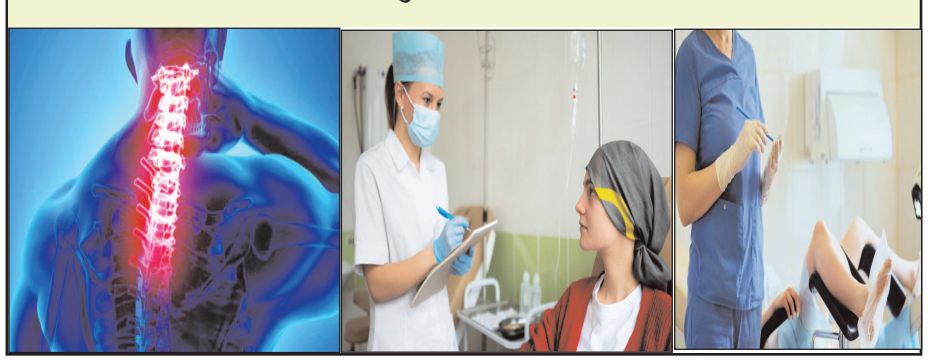

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

दवा के नाम पर मौत, इलाज के नाम पर भय कब तक?

-ललित गर्ग

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना, अर्थव्यवस्था, तकनीकी उपलब्धियों या ऊंची इमारतों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति कितना संवेदनशील है। स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी देश की आत्मा होती है। अस्पताल केवल भवन नहीं होते, वे जीवन की उम्मीद के केंद्र होते हैं। डॉक्टर केवल पेशेवर व्यक्ति नहीं होता, वह मौत और जीवन के बीच खड़ा वह संवेदनशील रक्षक होता है, जिस पर मनुष्य सबसे अधिक विश्वास करता है। लेकिन जब यही स्वास्थ्य व्यवस्था भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े, मुनाफाखोरी और अनैतिकता की गिरफ्त में आ जाए, तब समाज का विश्वास टूटने लगता है और चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देने लगता है। आज भारत में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी जो घटनाएं सामने आ रही हैं, विशेषकर मध्यप्रदेश और राजस्थान की घटनाओं ने इसी भयावह यथार्थ को उजागर किया है।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जा रही हैं। आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, आधारभूत ढांचे का विस्तार, तकनीकी उन्नयन और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा आशा जगाती है। लेकिन इसी बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती धांधलियां, फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियां, नकली दवाओं का कारोबार, अस्पतालों में मुनाफाखोरी और चिकित्सा सेवाओं का व्यवसायीकरण इस विकास यात्रा पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। यदि नागरिकों का जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास के सारे दावे खोखले प्रतीत होंगे। मध्यप्रदेश के दमोह और जबलपुर के सरकारी अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियों का खुलासा किसी एक राज्य की प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरी का प्रतीक है। इससे भी अधिक चिंताजनक मामला राजस्थान मेडिकल काउंसिल में सामने आया, जहां ऐसे लोगों को डॉक्टर के रूप में पंजीकृत कर दिया गया जिन्होंने न मेडिकल शिक्षा प्राप्त की और न ही आवश्यक इंटर्नशिप की। यह केवल कागजी अनियमितता नहीं, बल्कि लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने वाला गंभीर अपराध है। एक अयोग्य व्यक्ति जब डॉक्टर बनकर मरीजों के सामने बैठता है, तब वह इलाज नहीं करता, बल्कि मानव जीवन पर प्रयोग करता है, उसके कारण जिंदगी मौत में बदल जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे लोग व्यवस्था में प्रवेश कैसे कर जाते हैं? क्या कोई व्यक्ति अकेले इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कर सकता है? निश्चित रूप से नहीं। इसके पीछे सत्यापन तंत्र की विफलता, विभागीय मिलीभगत और संस्थागत भ्रष्टाचार की परतें मौजूद होती हैं। जब मेडिकल काउंसिल, अस्पताल प्रशासन और परीक्षा एवं पंजीयन संस्थाओं की भूमिका संदेह के घेरे में आ जाए, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि बीमारी केवल व्यक्ति में नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में फैल चुकी है। आज चिकित्सा क्षेत्र का संकट केवल फर्जी डॉक्टरों तक सीमित नहीं है। निजी अस्पतालों में मुनाफाखोरी ने स्वास्थ्य सेवा के मानवीय स्वरूप को गंभीर क्षति पहुंचाई है। मरीज की विवशता को आर्थिक अवसर में बदल देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक जांचें कराना, जरूरत न होने पर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना, वेंटिलेटर पर रखना, अत्यधिक बिल बनाना और उपचार को लंबा खींचना आम शिकायतें बन चुकी हैं। मरीज अस्पताल में इलाज के लिए जाता है, लेकिन कई बार आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार होकर लौटता है। चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य पीड़ा दूर करना था, लेकिन कई स्थानों पर वह व्यापार और लाभ कमाने का माध्यम बन गई है।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए बने इन संस्थानों में संसाधनों की कमी, कर्मचारियों की लापरवाही, भ्रष्टाचार और बिचौलियों की दखलअंदाजी ने व्यवस्था को कमजोर किया है। कई बार मुफ्त दवाएं मरीजों तक नहीं पहुंचतीं, मशीनें अनुपयोगी पड़ी रहती हैं, जांचों में देरी होती है और मरीज अस्पतालों के चक्कर लगाते-लगाते टूट जाता है। गरीब व्यक्ति के लिए बीमारी केवल शारीरिक पीड़ा नहीं रहती, बल्कि आर्थिक और मानसिक संकट भी बन जाती है। आज एक और गंभीर संकट सामने आया है-डॉक्टर बनने की अंधी दौड़ और शॉर्टकट संस्कृति। नीट जैसी परीक्षाओं में धांधलियों ने पहले ही देश को झकझोर दिया है। यदि प्रवेश प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाए और उसके बाद फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर व्यवस्था में प्रवेश करने लगें, तो यह पूरे चिकित्सा तंत्र की विश्वसनीयता को समाप्त कर देगा। डॉक्टर बनने के पीछे वर्षों की कठिन पढ़ाई, प्रशिक्षण, अनुशासन और संवेदनशीलता की साधना होती है। लेकिन यदि इस प्रक्रिया को धन, भ्रष्टाचार और जालसाजी से बदल दिया जाएगा तो परिणाम केवल भयावह ही होंगे। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का संकट भी है। जब नागरिक डॉक्टर की योग्यता पर संदेह करने लगें, अस्पतालों में भय के साथ प्रवेश करें और दवा खरीदते समय उसकी प्रामाणिकता को लेकर आशंकित रहें, तब यह किसी भी राष्ट्र के लिए खतरनाक संकेत है। स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास टूटना समाज की आत्मा पर चोट पहुंचाने जैसा है।

दुनिया के विकसित देशों में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अपराधों को अत्यंत गंभीर माना जाता है। वहां फर्जी चिकित्सकों को केवल नौकरी से नहीं हटाया जाता, बल्कि आजीवन प्रतिबंध, भारी आर्थिक दंड और आपराधिक मुकदमों का सामना करना पड़ता है। कई देशों में डॉक्टरों के पंजीकरण और प्रमाणपत्रों का नियमित सत्यापन होता है तथा डिजिटल निगरानी व्यवस्था इतनी मजबूत होती है कि फर्जीवाड़े की संभावना बहुत कम रह जाती है। इसके विपरीत भारत में कई बार जांच प्रक्रिया लंबी, जटिल और धीमी होती है। वर्षों तक जांच चलती रहती है और दोषी बच निकलते हैं। यह व्यवस्था अपराधियों में भय नहीं, बल्कि निर्भीकता पैदा करती है। अब समय केवल चिंता व्यक्त करने या औपचारिक आश्वासनों का नहीं, बल्कि निर्णायक और कठोर कदम उठाने का है। देश के प्रत्येक पंजीकृत डॉक्टर का लाइव डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जहां कोई भी नागरिक एक क्लिक पर डॉक्टर की योग्यता, पंजीकरण संख्या, मेडिकल कॉलेज और सेवा विवरण की पुष्टि कर सके। मेडिकल काउंसिलों को केवल कागजी संस्थाएं नहीं, बल्कि सक्रिय निगरानी तंत्र बनाना होगा। अस्पतालों का नियमित निरीक्षण हो, डॉक्टरों के दस्तावेजों का रैंडम फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाए और फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर केवल फर्जी डॉक्टर ही नहीं, बल्कि उसे दस्तावेज पास करने वाले अधिकारी और सत्यापन करने वाले कर्मचारी भी सह-आरोपी बनाए जाएं। जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक व्यवस्था नहीं सुधरेगी।

इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा में नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्स्थापित करना होगा। चिकित्सा केवल रोजगार नहीं, सेवा का क्षेत्र है। डॉक्टर का पहला धर्म लाभ कमाना नहीं, जीवन बचाना होना चाहिए। यदि चिकित्सा क्षेत्र से संवेदनाएं समाप्त हो जाएंगी तो मशीनें बचेंगी, मानवता नहीं। आज समाज एक गहरे भय और असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, जब जीवन बचाने वाले ही जीवन के लिए खतरा बन जाएं, जब अस्पतालों में भरोसे की जगह डर और संदेह बैठ जाए, तब नागरिक कहां जाए? यह प्रश्न केवल मध्यप्रदेश और राजस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के सामने खड़ा है। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि नैतिक पतन और सामाजिक विघटन का संकेत है।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं बनेगा। वह तभी बनेगा जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगे, जब अस्पताल आशा के केंद्र बनेंगे, जब दवा पर विश्वास होगा और जब डॉक्टर का नाम सुनते ही श्रद्धा और भरोसा जागेगा। सड़कें, उद्योग, तकनीक और पूंजी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मनुष्य का जीवन है। यदि जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास का कोई भी सपना अधूरा रह जाएगा। मेडिकल जैसे पवित्र पेशे में घुस चुके भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े और अनैतिकता के इस कैंसर का उपचार समय रहते करना होगा। यह केवल कानून का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते कठोर निर्णय नहीं लिए तो फर्जी चिकित्सकों, नकली दवाओं और मुनाफाखोरी का यह जाल समाज के विश्वास को पूरी तरह निगल जाएगा। विकसित भारत की यात्रा में स्वास्थ्य व्यवस्था की पारदर्शिता, शुचिता, जवाबदेही और मानवीयता सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि जहां जीवन सुरक्षित नहीं, वहां विकास का कोई भी स्वप्न स्थायी नहीं हो सकता।

आम जनता को लगा बड़ा झटका, एक हफ्ते में दूसरी बार महंगे हुए पेट्रोल और डीजल

अशोक भाटिया

आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। एक हफ्ते के भीतर कीमतों में यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है, जिसके कारण दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत देश के सभी प्रमुख शहरों में ईंधन के दाम काफी बढ़ गए हैं।

इस कारण आम जनता की जेब पर एक बार फिर महंगाई का बड़ा बोझ बढ़ गया है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 90 पैसे प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी कर दी है। आम लोगों के लिए चिंता की बात यह है कि एक हफ्ते के भीतर ईंधन की कीमतों में की गई यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इस नए बदलाव के बाद देश के चारों प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल और डीजल खरीदना पहले से महंगा हो गया है। लगातार बढ़ते दामों के कारण आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह से गड़बड़ाने लगा है और आने वाले दिनों में ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में इस नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे का उछाल आया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल का भाव बढ़कर 98।64 रुपये पर पहुंच गया है। वहीं अगर कोलकाता की बात करें तो वहां पेट्रोल की कीमतों में सबसे अधिक 96 पैसे की तेजी दर्ज की गई है। इस बड़ी बढ़त के बाद कोलकाता में अब पेट्रोल खरीदारों को एक लीटर के लिए 109।70 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। इन दोनों ही बड़े शहरों में लगातार बढ़ रही कीमतें मध्यम वर्ग के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर रही हैं।

वैसे देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल के दाम हमेशा से ही ऊंचे रहे हैं और इस बार भी वहां बड़ा झटका लगा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमतों में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है, जिसके बाद वहां नया रेट बढ़कर 107।59 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दक्षिण भारत के प्रमुख महानगर चेन्नई में भी पेट्रोल की कीमतों में राहत नहीं मिली है। चेन्नई में पेट्रोल के दाम में 82 पैसे की बढ़ोतरी हुई है और अब वहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 104।49 रुपये हो गई है।

पेट्रोल के साथ-साथ डीजल की कीमतों में भी तेल कंपनियों ने बड़ा बदलाव किया है, जिसका सीधा असर कमर्शियल वाहनों और माल ढुलाई पर पड़ेगा। राजधानी दिल्ली में डीजल की कीमत में 91 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जिससे वहां नया दाम 91।58 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं कोलकाता में डीजल के दाम 94 पैसे बढ़कर 96।07 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं। मुंबई में भी डीजल की कीमतों में 94 पैसे की ही भारी बढ़ोतरी देखी गई है, जिसके बाद वहां एक लीटर डीजल का भाव 94।08 रुपये हो गया है। चेन्नई में डीजल की कीमत में 86 पैसे की बढ़ोतरी हुई है और वहां अब नया रेट 96।11 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

आम उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी परेशानी यह है कि यह बढ़ोतरी बहुत ही कम समय के भीतर हुई है। एक हफ्ते के अंदर तेल कंपनियों द्वारा दामों को दूसरी बार बढ़ाया गया है। डीजल की कीमतों में इस तरह लगातार हो रही बढ़ोतरी से देश में माल ढुलाई महंगी होने का पूरा डर बना हुआ है। जब डीजल महंगा होता है, तो सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का खर्च बढ़ जाता है, जिससे फल, सब्जियां और रोजाना की दूसरी जरूरी चीजों के दाम भी बाजार में बढ़ने लगते हैं। इस कारण आने वाले दिनों में आम जनता को महंगाई की दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है।

जैसे-जैसे ईंधन महंगा होता जाता है, बसों, टैक्सियों और ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ जाता है, जिससे बदले में दूसरी जरूरी चीजों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। जानकारों का कहना है कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल और भी महंगे हो सकते हैं, जिससे महंगाई बढ़ने की चिंताएं बढ़ सकती हैं।

इससे पहले पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी की वजह बताते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट को ढाई महीने से ज्यादा हो चुके हैं और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति अब भी सामान्य नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल, नेचुरल गैस और एलपीजी की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिसका असर भारत के क्रूड ऑयल, एलपीजी और नेचुरल गैस आयात पर भी पड़ा है हालांकि सरकार ने लोगों को राहत देते हुए कहा है कि देश में ईंधन सप्लाई की कोई कमी नहीं है। सुजाता शर्मा के मुताबिक सभी रिफाइनरियां सामान्य रूप से काम कर रही हैं और पर्याप्त मात्रा में क्रूड ऑयल का स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और किसी भी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी पर सप्लाई संकट जैसी स्थिति नहीं है। गौरतलब है कि भारतीय सरकारी तेल कंपनियों ने पिछले चार सालों में रिटेल कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की थी। वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमत बढ़ने से इन कंपनियों को रोजाना करीब 1000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा था, जिसकी भरपाई करने के लिए अब रेट धीरे-धीरे बढ़ाए जा रहे हैं। बीते दिन 3 रुपये की बढ़ोतरी के बाद नुकसान थोड़ा कम होकर 750 करोड़ रुपये प्रतिदिन पर आ गया। अब देखना है कि आज की गई बढ़ोतरी के बाद इस नुकसान को पाटने में कितनी मदद मिलती है। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में क्रूड ऑयल के कीमत तेजी से बढ़ रहे हैं, जो अब 100-110 डॉलर प्रति बैरल के पार जा चुका है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85 परसेंट से अधिक तेल बाहर से आयात करता है इसलिए, वैश्विक स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है।

व्यापारियों के मुताबिक डीजल महंगा होने से माल ढुलाई प्रभावित होगी। इसका असर सब्जी, दूध, किराना और निर्माण सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुओं पर पहुंचेगा। यह स्थिति महंगाई को और बढ़ा सकती है। उद्यमियों का कहना है कि पहले से बढ़ी उत्पादन लागत के बीच ईंधन महंगा होने से दोहरी मार पड़ रही है। इसका असर बाजार और ग्राहकों पर पड़ेगा।

पेट्रोल महंगा होने से बाइक, स्कूटर और कार चलाने वालों का खर्च बढ़ जाएगा। अगर ईंधन की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहीं, तो ऑटो, टैक्सी और कैब किराए में बढ़ोतरी हो सकती है। इसका असर रोज ऑफिस आने-जाने वाले लोगों के बजट पर पड़ेगा।भारत में फल, सब्जियां, दूध और जरूरी सामान का बड़ा हिस्सा ट्रकों के जरिए एक जगह से दूसरी जगह पहुंचता है। ऐसे में डीजल महंगा होने का असर सीधे ट्रांसपोर्ट लागत पर पड़ता है। जब माल ढुलाई महंगी होती है, तो कंपनियां और व्यापारी अतिरिक्त खर्च ग्राहकों से वसूलने लगते हैं। इसका असर धीरे-धीरे खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर दिखाई देता है। यानी आने वाले समय में सब्जियां, फल, दूध और पैकेज्ड फूड महंगे हो सकते हैं। हाल ही में अमूल और मदर डेयरी ने भी दूध के दाम 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए हैं। कंपनियों ने इसके पीछे बढ़ती लॉजिस्टिक्स और ईंधन लागत को बड़ी वजह बताया है।ईंधन महंगा होने से ऑनलाइन फूड डिलीवरी और ई-कॉमर्स कंपनियों का खर्च भी बढ़ जाता है। ऐसे में स्विगी, जोमैटो और दूसरी डिलीवरी कंपनियां डिलीवरी चार्ज बढ़ा सकती हैं, डिस्काउंट कम कर सकती हैं या न्यूनतम ऑर्डर वैल्यू बढ़ा सकती हैं। इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो रोजमर्रा की खरीदारी और खाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं।

डीजल महंगा होने का असर गांवों और किसानों पर ज्यादा पड़ सकता है। किसान ट्रैक्टर, सिंचाई पंप और फसल ढुलाई के लिए डीजल पर काफी निर्भर रहते हैं। ऐसे में खेती की लागत बढ़ सकती है और इसका असर आगे चलकर खाद्यान्न और सब्जियों की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है।

उधर आने वाले दिनों में दिल्ली की आम जनता को ऑफिस, घर, दुकान, रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली में ऑटो और टैक्सी चालक हड़ताल करने की प्लानिंग बना रहे हैं। कमर्शियल गाड़ियां चलाने वाले ड्राइवरों की यूनियन सीएनजी की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर ऑटो और टैक्सी के किराये में बढ़ोतरी की मांग को लेकर 3 दिनों की हड़ताल पर जाने की योजना बना रहा है। ये हड़ताल 21 मई से लेकर 23 मई तक हो सकती है। ऐसे में, कहीं आने-जाने के लिए ऑटो और टैक्सी पर निर्भर रहने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।'ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस' ने सोमवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को चिट्ठी लिखकर अपनी मांगें रखीं। चालक शक्ति यूनियन के उपाध्यक्ष अनुज कुमार राठौर ने कहा, "सीएनजी, पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों की वजह से ऑटो-टैक्सी ड्राइवर अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए, दिल्ली के अन्य संगठनों के समन्वय से चालक शक्ति यूनियन ने 21, 22 और 23 मई को चक्का जाम करने का आह्वान किया है और इन दिनों ऑटो-टैक्सी बंद रखने की अपील की है।"

जहां हवाओं की दिशा बदल जाती है और धड़कनें पुकार उठती हैं, जय जगन्नाथ!

-सुरेश गांधी

सुबह की पहली किरण अभी समुद्र की लहरों पर पूरी तरह उतरी भी नहीं होती कि पुरी की हवा में एक अलग कंपन महसूस होने लगता है। मंदिर के शिखर पर दूर आसमान को छूता ध्वज लहरा रहा होता है और नीचे सड़कों पर नंगे पांव चलते श्रद्धालुओं की आंखों में एक अलग चमक दिखाई देती है। यहां आने वाला हर व्यक्ति पहले मंदिर को नहीं देखता, बल्कि उसे महसूस करता है। ऐसा लगता है जैसे समुद्र की हर लहर, हर शंखध्वनि और हर ह्लजय जगन्नाथह्व की पुकार किसी अदृश्य शक्ति को अपने भीतर समेटे हुए है। कहते हैं कि इस धाम में कुछ दृश्य आंखों से कम और विश्वास से अधिक दिखाई देते हैं। शिखर पर लहराता ध्वज केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं लगता, वह मानो आस्था का जीवंत प्रतीक बन जाता है। और जब हजारों श्रद्धालुओं के स्वर एक साथ ह्लजय जगन्नाथह्व कहते हैं तो लगता है जैसे केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि हर धड़कन, हर सांस और हर भावना प्रभु के नाम से भर उठी हो। पुरी केवल एक तीर्थ नहीं, वह एक ऐसा अनुभव है, जहां पहुंचकर व्यक्ति दर्शक नहीं रहता, वह स्वयं श्रद्धा बन जाता है। ध्वज हवा से उल्टा बात करता है और एक हृदय सदियों से धड़कने की कथा कहता है

-सुरेश गांधी

पुरी के जगन्नाथ धाम में आस्था केवल दर्शन नहीं, अनुभव बन जाती है। यहां रहस्य मंदिर की दीवारों पर नहीं लिखे जाते, वे श्रद्धालुओं के मन में उतरते हैं। समुद्र की लहरें जब ओडिशा के पुरी तट से टकराती हैं, तो उनकी आवाज केवल जल की गूंज नहीं लगती, बल्कि ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रकृति स्वयं किसी अनदेखे उत्सव की तैयारी कर रही हो। सुबह की पहली किरण जैसे ही आकाश को छूती है, पुरी की गलियों में ह्लजय जगन्नाथह्व का स्वर फैलने लगता है। यह केवल एक उद्घोष नहीं, बल्कि एक भाव है, जो सदियों से भारत की सांस्कृतिक चेतना के भीतर प्रवाहित हो रहा है।

भारत में मंदिर बहुत हैं, तीर्थ भी असंख्य हैं, लेकिन पुरी का जगन्नाथ धाम अपने भीतर कुछ ऐसा समेटे हुए है जो केवल स्थापत्य या धार्मिकता से परिभाषित नहीं होता। यहां आस्था और रहस्य एक-दूसरे का हाथ थामे चलते हैं। यहां लाखों लोग भगवान के दर्शन करने आते हैं, लेकिन लौटते समय उनके साथ कुछ प्रश्न भी चले जाते हैं। आखिर मंदिर का ध्वज हवा की विपरीत दिशा में क्यों लहराता दिखाई देता है? क्यों मंदिर के शिखर पर लगा सुदर्शन चक्र हर दिशा से देखने पर सामने ही प्रतीत होता है? और सबसे बड़ा प्रश्न, आखिर वह कौन-सा ह्लब्रह्म तत्वह्व है जिसे लोकमान्यताओं में भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य हृदय से जोड़ा जाता है?

जगन्नाथ धाम की यात्रा केवल मंदिर तक पहुंचना नहीं है, यह प्रश्नों और विश्वासों के बीच चलने वाली यात्रा है। यहां तर्क रास्ता बनाता है और आस्था मंज़िल तय करती है। ध्वज जो हवा से अलग दिशा में अपनी कहानी लिखता है. पुरी के जगन्नाथ मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वज सदियों से आकर्षण का विषय रहा है। लोकविश्वास कहता है कि यह ध्वज सामान्य हवा की दिशा के विपरीत लहराता दिखाई देता है। एक सामान्य व्यक्ति के लिए यह दृश्य आश्चर्य से भर देने वाला हो सकता है। समुद्र की ओर से आने वाली हवा, मंदिर की ऊंची संरचना और शिखर के आसपास बनने वाली वायु धाराएं एक विशेष दृश्य प्रभाव पैदा कर सकती हैं।

वास्तु और वायु-गतिकी के जानकार इसे संरचना और हवा के प्रवाह से जोड़कर देखते हैं। लेकिन श्रद्धालुओं के लिए यह किसी वैज्ञानिक तर्क से अधिक प्रभु की उपस्थिति का प्रतीक है। ध्वज यहां केवल कपड़ा नहीं है। यह समर्पण की परंपरा है। प्रतिदिन मंदिर के सेवक बिना आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के विशाल शिखर पर चढ़कर ध्वज बदलते हैं। सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर संतुलन बनाते हुए यह प्रक्रिया केवल साहस का प्रदर्शन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सेवा की विरासत है। ऐसा लगता है मानो ध्वज हवा से नहीं, विश्वास से संचालित हो रहा हो। मान्यता है कि यदि किसी दिन ध्वज परिवर्तन न हो तो मंदिर के द्वार कुछ समय के लिए बंद रखने पड़ सकते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सेवा और समर्पण का प्रतीक है। मंदिर के शीर्ष पर स्थापित सुदर्शन चक्र भी अपने आप में अद्भुत माना जाता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि आप पुरी शहर के जिस कोने से इसे देखें, ऐसा प्रतीत होता है कि चक्र आपकी ओर ही मुख किए हुए है। यह दृश्य मंदिर निर्माण की प्राचीन स्थापत्य कला की उत्कृष्टता का उदाहरण माना जाता है। आज जब आधुनिक इंजीनियरिंग के युग में कंप्यूटर मॉडलिंग का सहारा लिया जाता है, तब सदियों पहले बने इस मंदिर की संरचना लोगों को हैरान करती है।

जब समुद्र की आवाज मंदिर के द्वार पर बदल जाती है

कई श्रद्धालु बताते हैं कि सिंहद्वार से प्रवेश करते ही समुद्र की आवाज कम महसूस होती है, और बाहर निकलते ही वही ध्वनि फिर सुनाई देने लगती है। यह संभवतः स्थापत्य और ध्वनि-परावर्तन की विशेषताओं से जुड़ा विषय हो सकता है, लेकिन लोकविश्वास इसे भी जगन्नाथ की लीला का हिस्सा मानता है। यहां हर घटना के दो अर्थ दिखाई देते हैं– एक तर्क का और दूसरा विश्वास का।

एक हृदय की कथाः जो शरीर से नहीं, ब्रह्म से जुड़ी है

जगन्नाथ धाम का सबसे चर्चित रहस्य भगवान के हृदय की कथा है। लोकपरंपराओं में यह विश्वास मिलता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पृथ्वी लीला समाप्त की, तब उनका दिव्य तत्व नष्ट नहीं हुआ। बाद में वही दिव्य तत्व भगवान जगन्नाथ के विग्रह से जुड़ा। मंदिर परंपराओं में इसे ब्रह्म पदार्थ या ह्लब्रह्म तत्व कहा जाता है। यह कथा केवल रहस्य पैदा नहीं करती, बल्कि भारतीय दर्शन का एक गहरा संदेश भी देती है। शरीर बदलता है, स्वरूप बदलता है, लेकिन आत्मा नहीं बदलती। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना आवश्यक है– यह धार्मिक मान्यता और परंपरा का विषय है। इसकी वास्तविक प्रकृति सार्वजनिक रूप से ज्ञात नहीं है। लेकिन आस्था के संसार में यह केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि शाश्वत चेतना का प्रतीक है।

नवकलेवर : जब भगवान भी बदलते हैं अपना शरीर

जगन्नाथ धाम की सबसे विशिष्ट परंपराओं में से एक है नवकलेवर। निर्धारित समय पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के नए काष्ठ विग्रह बनाए जाते हैं। पुरानी प्रतिमाओं से ह्लब्रह्म तत्वह्व नई प्रतिमाओं में स्थानांतरित किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार यह प्रक्रिया अत्यंत गोपनीय होती है। कहा जाता है कि इस समय मंदिर परिसर में विशेष नियम लागू होते हैं और सीमित सेवक ही इसमें शामिल होते हैं। यह परंपरा भारतीय दर्शन का गहरा संदेश देती है– शरीर बदल सकता है, लेकिन आत्मा शाश्वत रहती है। जैसे मनुष्य वस्त्र बदलता है, वैसे ही परमात्मा नया रूप धारण करते हैं।

बिना हाथ-पैर के भी जगत के नाथ

पहली बार भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा देखने वाला व्यक्ति अक्सर आश्चर्य में पड़ जाता है। न विशाल मुकुट का वैभव, न पारंपरिक स्वरूप, न हाथ-पैरों की पूर्णता। केवल बड़ी गोल आंखें। लेकिन शायद यही इस स्वरूप की सबसे बड़ी विशेषता है। मानो भगवान यह संदेश दे रहे हों– ह्लमैं सीमाओं में बंधा नहीं हूं। उनकी आंखें पलक झपकाए बिना संसार को देखती प्रतीत होती हैं। यह स्वरूप दर्शन से अधिक अनुभूति बन जाता है।

विश्व का विशाल रसोईघर और महाप्रसाद की परंपरा

जगन्नाथ मंदिर का रसोईघर दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक रसोईघरों में गिना जाता है। यहां मिट्टी के बर्तनों में भोजन तैयार होता है। हजारों श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद बनाया जाता है। महाप्रसाद की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह केवल भोजन नहीं, सामाजिक समरसता का प्रतीक भी है। यहां भेदभाव की दीवारें टूटती हैं।

रथयात्रा : जब भगवान स्वयं भक्तों के बीच आते हैं

आषाढ़ मास की रथयात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि जनआस्था का महासागर है। भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथों पर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। सबसे आगे बलभद्र का तालध्वज, बीच में सुभद्रा का दर्पदलन और पीछे भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष। उस समय लाखों हाथ एक रस्सी पकड़ते हैं। कोई अमीर नहीं होता। कोई गरीब नहीं होता। केवल भक्त होते हैं।

कार पर सस्ता, शिक्षा पर ब्याज भारी क्यों?

-प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। हम अक्सर यह कहते हैं कि युवा देश का भविष्य हैं, शिक्षा समाज की रीढ़ है और ज्ञान ही विकास का आधार है। लेकिन जब व्यवहारिक व्यवस्था को देखा जाता है, तो तस्वीर कुछ और दिखाई देती है। विडंबना यह है कि आज भारत में कार खरीदना आसान होता जा रहा है, लेकिन उच्च शिक्षा प्राप्त करना लगातार कठिन और महँगा होता जा रहा है। बैंक आपको नई कार खरीदने के लिए आकर्षक ब्याज दरों पर तुरंत ऋण देने को तैयार मिल जाएंगे, परंतु वही बैंक जब किसी विद्यार्थी को शिक्षा ऋण देते हैं, तो ब्याज दरें बढ़ जाती हैं, नियम कठोर हो जाते हैं और भविष्य को जोखिम मान लिया जाता है। यह स्थिति केवल बैंकिंग प्रणाली की तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी है।

आज भारत में उच्च शिक्षा का खर्च सामान्य परिवारों की सामर्थ्य से तेजी से बाहर होता जा रहा है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ, निजी विश्वविद्यालयों की पढ़ाई या विदेश में शिक्षा–हर क्षेत्र में फीस लाखों में पहुँच चुकी है। मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्षों की बचत लगा देते हैं, गहने बेचते हैं, भविष्य निधि तोड़ते हैं, फिर भी शिक्षा ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन दुखद स्थिति यह है कि जिस शिक्षा से एक युवा का भविष्य बनना है, उसी पर सबसे अधिक ब्याज का बोझ लाद दिया जाता है। कार लोन की ब्याज दरें कई बार शिक्षा ऋण से कम होती हैं। अर्थात एक उपभोक्ता वस्तु खरीदना शिक्षा प्राप्त करने से सस्ता पड़ता है। यह केवल आर्थिक असंतुलन नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की भी त्रासदी है।

बैंकिंग व्यवस्था का तर्क यह होता है कि कार लोन सुरक्षित होता है क्योंकि वाहन बैंक के लिए गिरवी संपत्ति का काम करता है। यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति भुगतान न करे, तो कार जब्त की जा सकती है। लेकिन शिक्षा ऋण में बैंक के पास कोई भौतिक संपत्ति नहीं होती। वहाँ केवल छात्र की योग्यता, उसकी डिग्री और उसका भविष्य होता है। इसलिए बैंक इसे जोखिमपूर्ण निवेश मानते हैं। यह तर्क बैंकिंग दृष्टि से भले सही प्रतीत हो, लेकिन राष्ट्रीय दृष्टि से अत्यंत संकीर्ण है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा निवेश उसकी युवा पीढ़ी होती है। एक छात्र जब डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधकर्ता या प्रशासक बनता है, तो उसका लाभ केवल व्यक्तिगत नहीं होता, पूरा समाज उससे लाभान्वित होता है। ऐसे में शिक्षा ऋण को केवल व्यापारिक उत्पाद की तरह देखना दूरदर्शिता नहीं कहलाएगा। वर्तमान समय में शिक्षा ऋण केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि मानसिक दबाव का कारण भी बनता जा रहा है। लाखों विद्यार्थी पढ़ाई पूरी होने से पहले ही ईएमआई और ब्याज की चिंता में घिर जाते हैं। नौकरी मिलने से पहले ही कर्ज का भय उन्हें परेशान करने लगता है। कई छात्र अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार करियर चुनने के बजाय केवल अधिक वेतन वाली नौकरियों की ओर इसलिए भागते हैं ताकि ऋण चुका सकें। परिणामस्वरूप शोध, अध्यापन, साहित्य, सामाजिक सेवा और कला जैसे क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं की संख्या घटती जा रही है। समाज धीरे-धीरे केवल वेतन आधारित सफलता का समर्थक बनता जा रहा है। इस समस्या का सबसे अधिक प्रभाव भारतीय मध्यमवर्ग पर पड़ता है। आर्थिक रूप से संपन्न परिवार महँगी शिक्षा का खर्च आसानी से उठा लेते हैं। गरीब वर्ग के लिए सरकार की कुछ योजनाएँ और छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध होती हैं। लेकिन सबसे अधिक संघर्ष उस वर्ग को करना पड़ता है जो ह्लगरीबह्व की श्रेणी में नहीं आता, फिर भी लाखों रुपये की फीस वहन करने में सक्षम नहीं होता। ऐसे परिवारों के लिए शिक्षा ऋण मजबूरी बन जाता है। एक पिता पूरी जिंदगी की कमाई बेटे या बेटी की पढ़ाई में लगा देता है, इस उम्मीद के साथ कि शिक्षा भविष्य को सुरक्षित करेगी। लेकिन जब उसी शिक्षा पर भारी ब्याज लग जाता है, तो वह सपना धीरे-धीरे आर्थिक बोझ में बदलने लगता है।

आज भारत में शिक्षा का निजीकरण तेजी से बढ़ा है। सरकारी संस्थानों की सीमित सीटों के कारण लाखों छात्रों को निजी कॉलेजों का रुख करना पड़ता है। वहाँ फीस इतनी अधिक होती है कि सामान्य परिवारों के लिए बिना ऋण के पढ़ाई संभव नहीं रह जाती। कई बार छात्र केवल फीस और ब्याज के कारण अपने सपनों के संस्थान छोड़ देते हैं। प्रतिभा आर्थिक क्षमता के सामने हार जाती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और प्रगतिशील समाज के लिए चिंताजनक है। यह भी विचारणीय है कि आज के समय में शिक्षा केवल व्यक्तिगत प्रगति का माध्यम नहीं रही, बल्कि आर्थिक और सामाजिक अस्तित्व की आवश्यकता बन चुकी है। बिना उच्च शिक्षा के बेहतर रोजगार प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में यदि शिक्षा ही महँगी और ऋण बोझिल होगा, तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी। जो परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हैं, वे आगे निकल जाएंगे, जबकि सीमित साधनों वाले प्रतिभाशाली छात्र पीछे छूटते चले जाएंगे। यह केवल व्यक्ति की हानि नहीं होगी, बल्कि देश अपनी संभावित प्रतिभाओं को खो देगा। भारत सरकार को इस दिशा में गंभीर और दीर्घकालिक कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले शिक्षा ऋण की ब्याज दरों को नियंत्रित किया जाना चाहिए। यदि सरकार वाहन उद्योग, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक नीतियाँ बना सकती है, तो शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र के लिए अलग वित्तीय नीति क्यों नहीं बनाई जा सकती? शिक्षा ऋण पर ब्याज न्यूनतम होना चाहिए और पढ़ाई पूरी होने तक ब्याज स्थगन की व्यवस्था व्यापक स्तर पर लागू की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त रोजगार मिलने तक ऋण पुनर्भुगतान में लचीलापन होना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में कई छात्रों पर डिग्री पूरी होते ही ईएमआई का दबाव शुरू हो जाता है, जबकि नौकरी मिलने में समय लग सकता है। यह मानसिक तनाव युवाओं की ऊर्जा और आत्मविश्वास दोनों को प्रभावित करता है। यदि सरकार और बैंक छात्रों को कुछ वर्षों का व्यावहारिक समय दें, तो वे अपने करियर को अधिक स्थिरता के साथ शुरू कर पाएंगे। शिक्षा ऋण के साथ करियर आधारित सहायता मॉडल भी विकसित किए जाने चाहिए। उदाहरण के लिए यदि कोई छात्र शोध, अध्यापन, सामाजिक सेवा या ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करना चाहता है, तो उसके ऋण में विशेष छूट दी जा सकती है।

गोदरेज की हिलसाइड कॉलोनी में हरे वृक्षों की कटाई का मामला, आईटीआई के तहत मांगी जानकारी

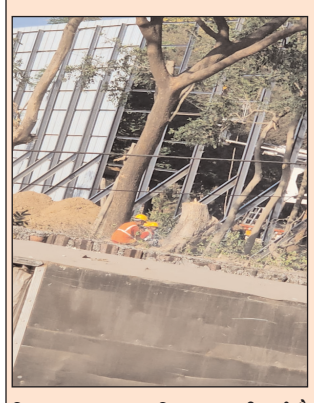

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिलसाइड कॉलोनी, फिरोज शाह नगर, गोदरेज विक्रोली पश्चिम, मुंबई में कथित रूप से हरे (जिंदा) वृक्षों की कटाई को लेकर सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत बृहन्मुंबई महानगरपालिका एस वार्ड के गार्डेन संबंधित विभाग से जानकारी मांगी गई है। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज पांडेय ने आवेदन के माध्यम से यह जानना चाहा है कि उक्त स्थान पर वृक्षों की कटाई, छंटाई अथवा हटाने के लिए संबंधित विभाग द्वारा अनुमति प्रदान की गई है या नहीं। यदि अनुमति दी गई है तो उसकी प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराई जाए।

इसके साथ ही मनोज पांडेय ने अनुमति प्राप्त वृक्षों की कुल संख्या, अनुमति देने से पूर्व किए गए निरीक्षण की रिपोर्ट, वृक्ष प्राधिकरण की स्वीकृति एवं एनओसी की प्रमाणित प्रति भी मांगी है। आवेदन में यह भी पूछा गया है कि क्या इस मामले में क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण (कम्पेन्सेटरी प्लांटेशन) अनिवार्य किया गया है। यदि हाँ, तो उससे संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा वृक्ष कटाई अथवा छंटाई कार्य की निगरानी करने वाले जिम्मेदार बीएमसी अधिकारी का नाम एवं पदनाम बताने की भी मांग की गई है। मनोज पांडेय ने कहा है कि यदि संबंधित स्थान पर बिना अनुमति के वृक्षों की कटाई की जा रही है, तो महानगरपालिका तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे, ताकि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

एयरटेल ने लॉन्च की प्रायोरिटी पोस्टपेड सेवा

मुंबई। भारती एयरटेल ने आज प्रायोरिटी पोस्टपेड सेवा लॉन्च करने की घोषणा की। यह नई सेवा 5जी स्लाइसिंग तकनीक का उपयोग करती है, जिससे पोस्टपेड ग्राहकों को स्थिर और बेहतर नेटवर्क का अनुभव मिलेगा। यह सेवा विशेष रूप से उन व्यस्त ग्राहकों के लिए तैयार की गई है, जो काम, मनोरंजन या ऑनलाइन सहयोग के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी पर निर्भर रहते हैं। इस सेवा के लिए एयरटेल ने अपने 5जी नेटवर्क को नेटवर्क स्लाइसिंग तकनीक की उन्नत क्षमताओं से सशक्त बनाया है। यह तकनीक नेटवर्क को अधिक स्मार्ट और कुशल बनाते हुए अतिरिक्त क्षमता तैयार करती है, जिससे प्रायोरिटी ग्राहकों को बेहतर और निर्बाध अनुभव सुनिश्चित किया जा सकता है। नेटवर्क क्षमता को इंटेलीजेंट और डायनेमिक तरीके से विभाजित कर एयरटेल अपने पोस्टपेड ग्राहकों को अधिक स्थिर, भरोसेमंद और लगातार बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है, विशेष रूप से उन परिस्थितियों में जब नेटवर्क पर ट्रैफिक का दबाव अधिक हो। पिछले एक वर्ष में अमेरिका, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम और मलेशिया जैसे कई देशों में स्लाइसिंग आधारित 5जी सेवाएं लॉन्च की गई हैं। एयरटेल का यह लॉन्च भारत में अपनी तरह का पहला कदम है। यह स्मार्ट, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार डिजिटल नेटवर्क बनाने की दिशा में कंपनी के निरंतर निवेश को दशार्ता है। साथ ही, यह ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक तकनीक आधारित समाधानों देने की एयरटेल की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल के एमडी और सीईओ शाश्वत शर्मा ने कहा, एयरटेल में हमारा फोकस ऐसे सार्थक समाधानों पर है, जो ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाएं। प्रायोरिटी पोस्टपेड, 5जी स्लाइसिंग तकनीक से संचालित हमारा नया समाधान है। यह ग्राहकों को तेज, स्थिर और भरोसेमंद कनेक्टिविटी प्रदान करता है, चाहे वे ट्रैफिक में क्लाइंट कॉल अटेंड कर रहे हों, किसी भीड़भाड़ वाले कॉन्सर्ट में स्ट्रीमिंग कर रहे हों या व्यस्त बाजार में कैब बुक कर रहे हों।

भिवंडी मनपा ने 45 अवैध नल कनेक्शन जोडने वालों पर किया मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी मनपा के पाणी पुरवठा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर में अवैध नल कनेक्शन और पानी चोरी का मामला उजागर किया है। महानगरपालिका की टीम ने हिंदुस्तानी मस्जिद से जुमा मस्जिद, सौदागर मोहल्ला परिसर में निरीक्षण के दौरान पाया कि आरसीसी सड़क निर्माण कार्य का फायदा उठाकर बिना किसी पूर्व अनुमति के मुख्य जलवाहिनी में छेद कर अवैध नल कनेक्शन लिए गए थे। इस मामले में नसीम अख्तर अंसारी उर्फ चुन्नू प्लंबर, समीर मोहम्मद यूसुफ मोमीन और शब्बर खतीब के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आरोप है कि इन लोगों ने महानगरपालिका की मुख्य पाइपलाइन से अवैध रूप से आधा इंच व्यास के कुल 45 नल कनेक्शन जोड़े थे। मनपा के अनुसार प्रत्येक कनेक्शन के हिसाब से पानी चोरी का नुकसान 94 हजार 500 रुपये तथा पाइपलाइन क्षति 40 हजार रुपये मिलाकर कुल 1 लाख 34 हजार 500 रुपये का नुकसान हुआ है। इस प्रकरण में भोईवाडा पुलिस स्टेशन में ~~अज्ञात~~ क्रमांक 0196 दिनांक 16 मई 2026 को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 324(4), 326(क) और 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त के आदेश पर कार्यकारी अभियंता संदीप पटणावर के मार्गदर्शन में उप अभियंता सरफराज अंसारी के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में विराज भोईर, नफीस मोमिन सहित पथक के अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

जियोहॉटस्टार और राजकुमार हिरानी प्रस्तुत करते हैं प्रीतम एंड पेड्रो, 3 जुलाई से प्रीमियर

मुंबई/पटना। कभी-कभी सबसे बड़ी कहानियां सबसे अप्रत्याशित सुरागों से शुरू होती हैं। समुद्र तट पर पड़ा एक लावारिस एटीएम, उसके पास खड़े दो बिल्कुल अलग स्वभाव के लोग, और एक ऐसा रहस्य जो पलभर में जिज्ञासा जगा दे। प्रीतम एंड पेड्रो के साथ राजकुमार हिरानी अपना बहुप्रतीक्षित स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रहे हैं, जिसमें उनकी खास पहचान – गर्मजोशी, भावनाएं और मानवीय कहानी कहने का अंदाज पहली बार लंबे फॉर्मेट की दुनिया में देखने को मिलेगा। यह सहयोग सिनेमाई कहानी कहने और बड़े स्तर के स्ट्रीमिंग मनोरंजन के एक रोमांचक संगम का संकेत भी है, जो दर्शकों को एक नया और इमर्सिव अनुभव देने का वादा करता है। प्रशंसित फिल्ममेकर अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित प्रीतम एंड पेड्रो दर्शकों को अपनी अनोखी, जमीनी और अप्रत्याशित दुनिया की ओर आकर्षित करने के लिए पर्याप्त झलक देती है, जबकि इसकी बड़ी कहानी को पूरी तरह रहस्य में बनाए रखती है।

ईंधन की कीमतों में वृद्धि के मद्देनजर एसटी किराए में बढ़ोतरी का प्रस्ताव विचाराधीन: परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से एसटी निगम पर सालाना 124 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई परिवहन मंत्री और महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने बताया कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) के ईंधन खर्च में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए यात्री किराए में बढ़ोतरी का प्रस्ताव विचाराधीन है। हालांकि, फिलहाल तत्काल किराया वृद्धि लागू नहीं की जाएगी। डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के संबंध में आज मंत्रालय में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में एसटी निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसटी निगम के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि डीजल की कीमतों में वृद्धि से एसटी निगम पर सालाना लगभग 124 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एसटी निगम को प्रतिदिन औसतन 10.87 लाख लीटर डीजल की आवश्यकता होती है। वर्तमान में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के माध्यम से डीजल की आपूर्ति की जा रही है। पिछले सप्ताह डीजल का दर 88.21 रुपये प्रति लीटर था, जो अब बढ़कर 91.31 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इस प्रकार प्रति लीटर 3.10 रुपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इस मूल्य वृद्धि के कारण निगम को प्रतिदिन लगभग 33 लाख 70 हजार रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। यह बोझ मासिक स्तर पर लगभग 10 करोड़ रुपये तथा वार्षिक स्तर पर लगभग 124 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। मंत्री प्रताप सरनाईक ने आगे कहा कि एसटी निगम वर्तमान में गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहा है तथा अप्रैल 2026 में निगम को लगभग 76 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। ईंधन की बढ़ती लागत का सीधा प्रभाव निगम की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है और भविष्य में यात्री किराए में वृद्धि का निर्णय लेना आवश्यक हो सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि तत्काल कोई किराया वृद्धि लागू नहीं की जाएगी। केंद्र और राज्य सरकार के मार्गदर्शन में ईंधन मूल्य वृद्धि के अनुरूप किराया संशोधन का प्रस्ताव राज्य परिवहन प्राधिकरण को मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। संबंधित प्राधिकरण की स्वीकृति के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार आम यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम करने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही है। ईंधन की बचत, ई-बसों के बढ़ते उपयोग, लागत नियंत्रण और राजस्व बढ़ाने के उपायों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अंत में मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि एसटी ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक परिवहन सेवा है और निर्बाध सेवा जारी रखते हुए वित्तीय संतुलन बनाए रखना निगम के सामने सबसे बड़ी चुनौती है।

नयानगर पुलिस की कार्रवाई : महिला दलाल गिरफ्तार, तीन पीड़ित महिलाओं को कराया गया मुक्त

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड नयानगर पुलिस स्टेशन की टीम ने वेश्यावृत्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला दलाल को गिरफ्तार किया है तथा तीन पीड़ित महिलाओं को मुक्त कराकर सुरक्षित स्थान पर भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 15/05/2026 को पुलिस उपायुक्त सर्कल-1 राहुल चव्हाण को एक गुप्त सूचनादाता से सूचना मिली थी कि एक महिला दलाल पैसों के बदले पुरुष ग्राहकों को वेश्यावृत्ति के लिए लड़कियां उपलब्ध करा रही है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस द्वारा पंचनामा कर फर्जी ग्राहक को भेजा गया। फर्जी ग्राहक महिला दलाल के संपर्क में रहा और मीरा रोड स्थित एक होटल में तीन लड़कियों को भेजने के लिए कहा। तय योजना के अनुसार महिला दलाल तीन महिलाओं को लेकर होटल पहुंची। बातचीत के बाद फर्जी ग्राहक ने एक लड़की का चयन किया और तय रकम आरोपी महिला को सौंपी। इसके तुरंत बाद पुलिस टीम ने छापा मारकर महिला दलाल सहित तीनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया। इस मामले में नयानगर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 199/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 143(3) तथा अनैतिक तस्करी निवारण अधिनियम की धारा 4 और 5 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान वेश्यावृत्ति के लिए लाई गई तीन वयस्क महिलाओं को मुक्त कराकर कांदिवली स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन में भर्ती कराया है।

गिरफ्तार महिला आरोपी को 19/05/2026 तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है तथा मामले की आगे की जांच नयानगर पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 संपन्न

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक एवं संगठनात्मक सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का उत्साहपूर्ण आयोजन रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी में संपन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण अभियान का उद्देश्य कार्यकताओं को वैचारिक, संगठनात्मक एवं सामाजिक रूप से अधिक सक्षम बनाना रहा। कार्यक्रम में राष्ट्र प्रथम, संगठन सर्वोपरि और कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत के मूल विचार को केंद्र में रखते हुए राष्ट्र निर्माण, सेवाभाव एवं संगठन विस्तार के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान की गई।

उत्तर पश्चिम मुंबई जिला द्वारा आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण महाअभियान में उपस्थित होकर अपने विचार साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुंबई महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी, ज्ञानमूर्ति शर्मा तथा महिला मोर्चा उपाध्यक्ष मुंबई श्रीमती रंजू झा सहित अनेक पदाधिकारी एवं समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पार्टी की विचारधारा के प्रसार, संगठन की मजबूती तथा समाजसेवा के संकल्प को लेकर कार्यकताओं में विशेष उत्साह एवं ऊर्जा देखने को मिली।

यह प्रशिक्षण महाभियान आने वाले समय में संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

असल्फा गांव में दवाखाना एवं नागरिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कुर्ला एल वार्ड के अंतर्गत आने वाले असल्फा गांव के वार्ड क्रमांक 159 के नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे के प्रयासों से असल्फा सुभाष नगर में बृहन्मुंबई महानगरपालिका के एल विभाग द्वारा नव निर्मित आयुष्यमान स्वास्थ्य केंद्र, दवाखाना एवं नागरिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण समारोह मंगलवार, 19 मई को संपन्न हुआ।

इस लोकार्पण समारोह का उद्घाटन नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे तथा एल विभाग के सहायक आयुक्त धनाजी हेर्लेकर के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर मनपा एल विभाग के वैद्यकीय अधिकारी डॉ. सतीश बडगिरे, भाजपा के पूर्व

नगरसेवक सीताराम तिवारी, जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व नगरसेवक ईश्वर तायडे, वरिष्ठ कार्यकर्ता वी.एस. सैनी, आरपीआई तालुका अध्यक्ष दादू भोसले, भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष उषा प्रकाश मोरे, असल्फा सुभाष नगर मनपा दवाखाना के डॉ. गायत्री क्षीरसागर एवं डॉ. देवेंद्र हिरे सहित चिकित्सा विभाग के सभी कर्मचारी, स्थानीय भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर नगरसेवक प्रकाश मोरे ने कहा कि उन्होंने विभाग के लोगों से किया गया वादा पूरा किया है और एक सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण का सपना साकार किया है।

वेश्यावृत्ति के चंगुल से दो नाबालिग लड़कियों को कराया गया मुक्त

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर। महिला अत्याचार निवारण विशेष बाल संरक्षण एवं देखभाल प्रकोष्ठ ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए वेश्यावृत्ति के चंगुल से दो नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है।

इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 15/05/2026 को महिला अत्याचार निवारण विशेष बाल संरक्षण एवं देखभाल प्रकोष्ठ को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि राधा गुप्ता और साहिल शिंदे नामक दो व्यक्ति वेश्यावृत्ति के कारोबार में संलिप्त हैं। सूचना के अनुसार, दोनों आरोपी व्हाट्सएप के माध्यम से पुरुष ग्राहकों को नाबालिग लड़कियों की तस्वीरें भेजकर पैसों के बदले उन्हें वेश्यावृत्ति के लिए उपलब्ध करा रहे थे। प्राप्त सूचना के आधार पर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर फर्जी ग्राहक एवं पंचों की उपस्थिति में अरनाला स्थित एग्री एंड कोलीवाड़ा ढाबा पर दोपहर करीब 3:30 बजे छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राधा अशोक गुप्ता (28 वर्ष), निवासी बीएमसी कॉलोनी, संतोष नगर, गोरेगांव पूर्व, मुंबई तथा मूल निवासी उत्तर प्रदेश, साहिल किरण शिंदे (25 वर्ष), निवासी बीएमसी कॉलोनी, संतोष नगर, गोरेगांव पूर्व, मुंबई तथा मूल निवासी रायगढ़ के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों को यह जानकारी थी कि पीड़ित लड़कियां नाबालिग हैं, इसके बावजूद उन्होंने पैसों के लालच में उन्हें देह व्यापार में धकेला। पुलिस ने दोनों पीड़ित लड़कियों को सुरक्षित मुक्त कराकर बोईसर स्थित बचाव केंद्र में भेज दिया है। इस मामले में अरनाला सागरी पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 75/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 96, 98, 143(3)(4), 3(5), अनैतिक तस्करी निवारण अधिनियम 1956 की धारा 4 व 5, पॉक्सो अधिनियम 2012 की धारा 17 व 18 तथा जुवेनाइल जस्टिस अधिनियम 2015 की धारा 81 व 87 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप दोइफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में महिला अत्याचार निवारण विशेष बाल संरक्षण एवं देखभाल प्रकोष्ठ की टीम द्वारा की गई।

टाटा रियल्टी और सेल्सफोर्स की एआई-आधारित ग्राहक सेवा के लिए साझेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। टाटा सन्स की प्रमुख सहायक कंपनी टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (टीआरआईएल) और दुनिया की नंबर 1 एआई सीआरएम कंपनी सेल्सफोर्स ने मिलकर आज घोषणा की कि सीआरएम ने अपने सभी प्रोजेक्ट्स में ग्राहक संवाद को बेहतर बनाने के लिए सेल्सफोर्स के एजेंटफोर्स प्लेटफॉर्म को सफलतापूर्वक लागू किया है। इस नई तकनीक की मदद से कंपनी की सेवा में बड़ा सुधार हुआ है। अब ग्राहकों को जवाब देने में लगने वाला समय कई दिनों से घटकर लगभग 8 घंटे तक रह गया है। इसके साथ ही कंपनी अब एक साथ हजारों ग्राहकों की बातचीत और सवालों को आसानी से संभाल सकती है। यह बात संजय दत्त, एमडी और सीईओ, टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, अरुंधति भट्टाचार्य, प्रेसिडेंट और सीईओ, साउथ एशिया झ सेल्सफोर्स और मनकिरन चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही।इस

डिजिटल बदलाव के कारण व्यवसाय में भी अच्छे नतीजे मिले हैं। कन्वर्जन रेट में 10% की बढ़ोतरी हुई है, लीड की सही पहचान में 30% सुधार हुआ है, और ईमेल ओपन रेट 50 से 60% तक पहुंच गया है।

इससे यह साफ होता है कि एआई एजेंट्स और एकीकृत डेटा की मदद से रियल एस्टेट क्षेत्र में ग्राहक अनुभव पहले से काफी बेहतर हो गया है। इस साझेदारी के बारे में संजय दत्त, एमडी और सीईओ, टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने कहा कि, सेल्सफोर्स के साथ हमारी साझेदारी ने हमें डेटा, इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन को एक ही सिस्टम में लाने में मदद की है। इससे ग्राहकों को तेज जवाब मिल रहा है, सही लीड की पहचान बेहतर हुई है और सेल्स में भी सुधार हुआ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे हमारी टीम को सही समय पर सही जानकारी मिल रही है, जिससे वे ग्राहकों के साथ भरोसा बनाने और बेहतर सेवा देने पर ज्यादा ध्यान दे पा रहे हैं।

नवी मुंबई में नई काइनेटिक इवी डीलरशिप का शुभारंभ

मुंबई। काइनेटिक इंडिया की इलेक्ट्रिक वाहन शाखा, काइनेटिक वॉट्स एंड वोल्ट्स लिमिटेड ने आज नवी मुंबई में अपनी नई डीलरशिप के शुभारंभ की घोषणा की, जिससे महाराष्ट्र में उसका रिटेल नेटवर्क और मजबूत होगा। यह विस्तार भारत के उभरते और उच्च क्षमता वाले बाजारों में ग्राहकों तक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को और करीब लाने की कंपनी की रणनीति का एक महत्वपूर्ण कदम है।नई डीलरशिप, काइनेटिक EV – RMK ऑटोमोटिव, शॉप 3 एवं 4, प्लॉट 25, हीरो/होंडा शोरूम के पास, शिरवणे, नेरुल, नवी मुंबई में स्थित है और इसे ग्राहकों को बिक्री, सेवा और स्पेयर सपोर्ट के साथ एक सहज एवं व्यापक स्वामित्व अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस लॉन्च के साथ, काइनेटिक का लक्ष्य नवी मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में व्यावहारिक, विश्वसनीय और किफायती इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करना है।नवी मुंबई डीलरशिप रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहरी बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर काइनेटिक के फोकस को दशार्ती है, जहां बढ़ती जागरूकता, बदलती मोबिलिटी आवश्यकताओं और टिकाऊ परिवहन में बढ़ती रुचि के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से

अपनाया जा रहा है।यह सुविधा समर्पित सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित है, जो प्रशिक्षित तकनीशियनों, असली स्पेयर पार्ट्स और निरंतर आफ्टर-सेल्स सपोर्ट तक पहुंच सुनिश्चित करती है, जो एश स्वामित्व में दीर्घकालिक विश्वास निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।इस अवसर पर काइनेटिक वॉट्स एंड वोल्ट्स के वाइस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अजिंक्य फिरोदिया ने कहा, महाराष्ट्र हमेशा से काइनेटिक की यात्रा में एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है और नवी मुंबई एक गतिशील तथा तेजी से विकसित हो रहे मोबिलिटी इकोसिस्टम का प्रतिनिधित्व करता है। यहां हमारा विस्तार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक सुलभ बनाने और प्रमुख शहरी केंद्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के हमारे निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। काइनेटिक की विश्वसनीय विरासत और रोजमर्रा की उपयोगिता को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए उत्पादों के साथ, हमें विश्वास है कि इस क्षेत्र में हमें मजबूत स्वीकार्यता मिलेगी। अपने विचार साझा करते हुए, फ्टड ऑटोमोटिव के डीलर प्रिंसिपल, श्री विकेश अग्रवाल ने कहा, हमें काइनेटिक वॉट्स एंड वोल्ट्स के साथ साझेदारी करने और नवी मुंबई में काइनेटिक की विरासत लाने पर गर्व है।

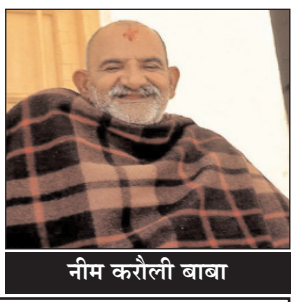

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

युवा शक्ति को समाज सेवा से जोड़ना प्राथमिकता: डॉ.शशिकांत यादव

राष्ट्रीय सेवा योजना के नए समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने कार्यभार किया ग्रहण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के नये कार्यक्रम समन्वयक के रूप में डॉ. शशिकांत यादव (सहायक आचार्य, भू एवं ग्रहीय विभाग, विश्वविद्यालय परिसर) ने सेवा और समर्पण की प्रतिमूर्ति मदर टेरेसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने भी डॉ. शशिकांत यादव को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि राष्ट्रीय सेवा योजना समाजहित और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्यों को लेकर और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगी तथा युवाओं को सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात नवनियुक्त कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने कहा कि

महाविद्यालयों को समर्पित भाव से राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को जोड़ने हेतु प्रेरित किया जाएगा, ताकि युवा शक्ति समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभा सके।

इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, प्रो. लक्ष्मण सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अमरेंद्र सिंह डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह,डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. एस.पी. तिवारी, पूर्व समन्वयक डॉ. राजबहादुर यादव, डॉ. नीरज सिंह, डॉ. संजय शर्मा तथा डॉ. श्रवण कुमार उपस्थित रहे। साथ ही कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री वारिंद्र यादव, महामंत्री राधेश्याम सिंह ह्यमुन्नाह्न, पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, पूर्व महामंत्री रमेश यादव, महामंत्री डॉ. नीलेश सिंह, विनोद यादव, सर्वेश यादव, उत्कर्ष सिंह, डॉ. रजनीश सिंह एवं सत्येंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों और कर्मचारियों ने डॉ. शशिकांत यादव को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

पुलिस परिवारों के बच्चों को मिलेगा संगीत का मंच, जौनपुर पुलिस लाइन में संगीत कक्ष का शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस परिवारों के कल्याण एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिजर्व पुलिस लाइन जौनपुर में शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय संगीत कक्ष का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने सहायक पुलिस अधीक्षक श्रृष्टि जैन के साथ संयुक्त रूप से किया। यह पहल ह्लवामा सारथीह्ल योजना के अंतर्गत पुलिस परिवारों के मानसिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के रचनात्मक विकास के लिए उपयोगी बताया।

एसएसपी ने कहा कि पुलिसकर्मियों का जीवन अत्यंत तनावपूर्ण होता है। ऐसे में संगीत जैसी रचनात्मक गतिविधियां मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने बच्चों को संगीत सीखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और धैर्य विकसित करने का माध्यम भी है।

कार्यक्रम के दौरान संगीत शिक्षक द्वारा शास्त्रीय एवं आधुनिक संगीत की प्रस्तुति दी गई, वहीं प्रतिसार निरीक्षक दीनदयाल दीक्षित के मधुर गायन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत कक्ष में अब नियमित रूप से गायन एवं तबला, हारमोनियम, गिटार और की-बोर्ड जैसे वाद्ययंत्रों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिस परिवारों के सदस्य एवं बच्चे मौजूद रहे।

भदेठी चौराहे पर ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

कलीम सिद्दीकी

सरायख्वाजा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सराय ख्वाजा क्षेत्र के ग्राम भदेठी चौराहे पर स्थित एलटी लाइन के ट्रांसफार्मर में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते ट्रांसफार्मर से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और आसपास के लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी। आग लगने के कारण क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों ने लाइन काटकर स्थिति को नियंत्रित किया। आग लगने का कारण ओवरलोडिंग अथवा शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। फिलहाल विभाग द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

जौनपुर में हीट वेव का कहर, डीएम ने जारी किया हाई अलर्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव को देखते हुए जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने जनपदवासियों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि तापमान लगातार बढ़ रहा है और 22 मई तक हीट वेव का प्रभाव बना रहने की संभावना है। डीएम ने कहा कि लोग बिना अत्यंत आवश्यक कार्य के घर से बाहर न निकलें। बाहर निकलते समय सिर को ढककर रखें तथा हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। उन्होंने अधिक से अधिक पानी, ओआरएस और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। उन्होंने कहा कि तेज धूप और लू से बचने के लिए छायादार स्थानों पर रहें तथा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। यदि किसी व्यक्ति को चक्कर, उल्टी, तेज बुखार या सिरदर्द जैसी समस्या महसूस हो तो तत्काल नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें। जिलाधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने लोगों से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन कर सुरक्षित रहने की अपील की।

अनियंत्रित पिकअप ने बाइक को मारी जोरदार टक्कर, पति-पत्नी व पुत्र की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती और उनके मासूम बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार पिकअप ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पूरा परिवार हादसे का शिकार हो गया। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बनकट जगदीश कोइरीपुर संदीप विश्वकर्मा ने बताया कि उनके भाई संतोष विश्वकर्मा (38) मुंबई में रहकर फर्नीचर का कारोबार करते थे। शादी में शामिल होने के लिए पांच मई को गांव आए थे। संदीप ने बताया कि संतोष विश्वकर्मा (38) अपनी पत्नी गुड़िया (36) और 10 वर्षीय पुत्र रियांश के साथ अपने साढू के घर गोरखपुर गए थे। उधर से वह पत्नी गुड़िया और बेटा रियांश के साथ बाइक से वापस घर लौट रहे थे। वह अतरौलिया के गदनपुर इंटरचेंज पर उतरना भूल जाने के कारण वे आगे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर निकल गए। जैसे ही उनकी बाइक खीरीडीहा गांव के समीप एक्सप्रेसवे के प्वाइंट नंबर 68.9 पर पहुंची, तभी पीछे से तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संतोष विश्वकर्मा उछलकर करीब दस फिट आगे सर्विस रोड किनारे जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा गश्ती दल के सुरक्षा अधिकारी चंद्रभान सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल पत्नी गुड़िया को अतरौलिया के 100 शैय्या अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर घायल बेटे रियांश को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन उसकी भी जान नहीं बच सकी। थाना प्रभारी देवेंद्र नाथ दुबे ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बाइक और पिकअप को कब्जे में लेकर थाने चली गई। मृतक के भाई संदीप विश्वकर्मा ने बताया कि उनके भाई, भाभी और भतीजे के मौत के बाद अब परिवार में उनकी 12 वर्षीय भतीजी अनुष्का ही बची है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अनुराग के पिता ने जताया जान का खतरा, बोले- 'मुकदमे की पैरवी करने पर विरोधी कर रहे पीछा'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अनुराग हत्याकांड चर्चित मामले में पैरवी कर रहे अनुराग के पिता ने अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुकदमे की गवाही चलने के दौरान विरोधी पक्ष के लोग लगातार उनका पीछा कर रहे हैं और उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है। अनुराग के पिता ने बताया कि दो-तीन दिन पहले वह गांव के पास सड़क किनारे पुलिया पर बैठे थे। इसी दौरान उन्हें कुछ संदिग्ध महसूस हुआ तो वह वहां से उठकर अपने एक मित्र के घर चले गए। आरोप है कि थोड़ी देर बाद विरोधी पक्ष के दो युवक बाइक से मुंह बांधकर उन्हें खोजते हुए वहां पहुंचे। घर वालों ने गमछा हटने पर दोनों को पहचान लिया और इसकी सूचना उन्हें दी गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही वह घर की ओर निकल गए, जबकि आरोपित दूसरे रास्ते से उनके ठिकाने तक पहुंचने की कोशिश करते रहे। मामले की जानकारी पुलिस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस फोर्स और कोबरा दस्ता मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक आरोपित फरार हो चुके थे। अनुराग के पिता का कहना है कि मुकदमे की पैरवी करने के कारण उन्हें लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी पक्ष के लोग पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और हथियार लेकर घूमते थे। ऐसे में परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी जान से ज्यादा चिंता अपनी बेटियों की है। रात में परिवार के लोग भय के कारण सो नहीं पा रहे हैं और बच्चियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर फोर्स भेजी गई थी। संबंधित लोगों को चेतावनी भी दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

हीट वेव (लू) के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मेडिकल कालेज, जौनपुर में संगोष्ठी का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेडिकल कॉलेज जौनपुर में बढ़ती गर्मी एवं हीटवेव (लू) के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु अस्पताल परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य प्रो० आर० बी० कमल एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ० ए० ए० जाफरी के निर्देशन में किया गया। संगोष्ठी का संचालन जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ० विनोद कुमार द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रो० आर० बी० कमल के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी एवं लू से बचाव के लिए प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में, लगभग 4 से 5 लीटर पानी पीने, धूप में निकलते समय सिर एवं शरीर को ढकने, हल्के एवं सूती वस्त्र पहनने तथा अनावश्यक रूप से तेज धूप में बाहर निकलने से बचने की सलाह दी। साथ ही घर से बाहर निकलने से पूर्व पर्याप्त मात्रा में पानी अथवा ओआरएस का सेवन करने की भी सलाह दी गई।

उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार, चक्कर आना, उल्टी, पेट दर्द, अत्यधिक कमजोरी अथवा बेहोशी जैसी समस्या महसूस हो तो तत्काल नजदीकी अस्पताल में संपर्क करना चाहिए।

प्रधानाचार्य द्वारा कार्यक्रम के दौरान मौके पर उपस्थित मरीजो एवं उनके तीमारदारो को निःशुल्क ओ0आर0एस0 वितरण कराया गया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 ए0 ए0 जाफरी ने बताया कि बच्चो, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह मौसम अधिक संवेदनशील होता है और समय पर उचित कदम उठाना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समय की आवश्यकता हैं और समाज को इससे लाभ मिलता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को हीट वेव के खतरों, लक्षणों, बचाव के उपायों तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही सुरक्षात्मक पहलों की जानकारी देना रहा है। मेडिकल कालेज जौनपुर के चिकित्सक एवं फार्मासिस्ट हीट वेव से बचाव की निःशुल्क दवाओं के साथ मरीजो का इलाज करने के लिए तत्पर्य है।

चिकित्सा अधीक्षक डा0 विनोद कुमार ने बताया कि हीट वेव (लू) के प्रभाव से व्यक्ति को तेज बुखार, चक्कर आना, कमजोरी, बेहोशी एवं झटके जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई बार मरीज के शरीर का तापमान सामान्य थर्मामीटर की सीमा से भी अधिक पहुंच जाता है, जो हीट स्टोक की गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेय एवं गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को भीषण गर्मी में अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

पीडियाट्रिक विभाग के सहायक आचार्य डा0 अरविन्द यादव द्वारा बताया गया कि छोटे बच्चे हीटवेब (लू) से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। बच्चों में तेज बुखार, कमजोरी, उल्टी, सुस्ती, शरीर में पानी की कमी एवं झटके जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। बच्चों को पर्याप्त पानी एवं तरल पदार्थ देने, धूप से बचाने तथा किसी भी गंभीर लक्षण पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक डा0 ले0क0 सी0बी0एस0 पटेल, डा0 सरिता पाण्डेय, डा0 अरविन्द पटेल, डा0 चन्द्रभान, डा0 आशुतोष सिंह, डॉ मुदित चौहान, डा बृजेश कन्नौजिया, डा0 रेनू, डा0 नाजिया, डा0 जयन्त तथा डा0 संदीप सिंह एवं अन्य चिकित्सक व कर्मचारीगण तथा मरीज एवं उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

योगीराज के 9 साल: अपराधियों पर यूपी पुलिस का बड़ा प्रहार, 17 हजार से ज्यादा एनकाउंटर

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर पिछले 9 वर्षों में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत अपराधियों, माफियाओं और संगठित अपराध के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया गया।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में बीते 9 वर्षों के दौरान 17 हजार से अधिक पुलिस मुठभेड़ हुईं। इन कार्रवाइयों में 289 दुर्दांत अपराधी मारे गए, जबकि 34,253 से ज्यादा अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इसके अलावा 11,834 अपराधी घायल हुए। वहीं अपराधियों से मुठभेड़ के दौरान 18 पुलिसकर्मी शहीद हुए और 1,852 पुलिसकर्मी घायल भी हुए।

प्रदेश में सबसे ज्यादा 4,813 मुठभेड़ मेरठ जोन में दर्ज की गईं। यहां 97 कुख्यात अपराधियों को ढेर किया गया तथा हजारों अपराधियों की गिरफ्तारी हुई। इसके अलावा वाराणसी, आगरा, बरेली, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर और गाजियाबाद समेत कई जिलों में पुलिस ने लगातार अभियान चलाकर अपराधियों पर शिकंजा कसा।

- वाराणसी जोन में 1,292 मुठभेड़ों में 29 अपराधी ढेर हुए।
- आगरा जोन में 2,494 मुठभेड़ों में 24 अपराधी मारे गए।
- लखनऊ जोन में 20 अपराधियों को पुलिस ने ढेर किया।
- गाजियाबाद कमिश्नरी में 18 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए।
- प्रयागराज जोन में 11 अपराधी ढेर किए गए।

सरकार का कहना है कि अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई, गैंगस्टर एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई और लगातार पुलिस अभियानों के कारण प्रदेश में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है।

सरकारी दावों के अनुसार, बेहतर कानून-व्यवस्था के चलते प्रदेश में निवेश बढ़ा है, उद्योगों का विस्तार हुआ है और आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। महिलाओं की सुरक्षा और माफिया नेटवर्क पर कार्रवाई को सरकार अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही है।

46 डिग्री की तपिश में भी न्याय की जंग जारी, निर्जला अनशन पर डटे जज सिंह अन्ना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा क्षेत्र के चर्चित आजाद बिंद दूल्हा हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में चल रहा जनआंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। जनआंदोलनकारी नेता जज सिंह अन्ना का अनिश्चितकालीन निर्जला आमरण अनशन मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। भीषण गर्मी और 46 डिग्री सेल्सियस तापमान के बावजूद अन्ना बिना अन्न और जल ग्रहण किए अपने संकल्प पर अडिग हैं। उनके इस कठोर आंदोलन ने प्रशासनिक अमले में हलचल बढ़ा दी है, वहीं बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के लोग समर्थन में पहुंच रहे हैं। अन्ना ने मांग की है कि आजाद बिंद हत्याकांड के सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने डायल 112 सेवा, पुलिस सर्विलांस, इंटेलिजेंस सिस्टम और अपराध के बाद की प्रारंभिक पुलिस कार्रवाई में आधुनिक तकनीकी सुधार लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल एक पीड़ित परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सुरक्षा और न्याय व्यवस्था को मजबूत करने की है। जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

अवैध नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान नवजात की मौत, परिजनों का फूटा गुस्सा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पवई बाजार स्थित एक कथित अवैध नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान नवजात की मौत होने के बाद मंगलवार को जमकर हंगामा हो गया। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल संचालक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पवई थाना क्षेत्र के सुम्हाडीह गांव निवासी उमेश कुमार के अनुसार उनकी पत्नी शशिकला को सोमवार रात प्रसव पीड़ा होने पर गांव की एएनएम संगीता ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त सुविधा न होने की बात कहकर पवई बाजार के एक निजी नर्सिंग होम में भेज दिया। आरोप है कि मंगलवार सुबह करीब छह बजे वहां प्रसव कराया गया,

लेकिन अस्पताल में न तो पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं मौजूद थीं और न ही कोई प्रशिक्षित महिला चिकित्सक अथवा स्टाफ नर्स तैनात थी।

परिजनों का आरोप है कि विरोध के बावजूद झोलाछाप चिकित्सक द्वारा प्रसव कराया गया, जिसके दौरान नवजात की हालत बिगड़ गई और जन्म के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। नवजात की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास ही अवैध रूप से कई निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं, जहां बिना मानक और प्रशिक्षित डॉक्टरों के प्रसव कराए जा रहे हैं। उनका कहना था कि यदि समय रहते प्रसूता को सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया जाता तो नवजात की जान बच सकती थी। मामले को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि सरकारी कर्मचारी द्वारा निजी अस्पताल चलाना नियमों के विरुद्ध है। मामले की जानकारी मिली है और जांच कर संबंधित नर्सिंग होम को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

छात्र-शिक्षक संबंधों की मजबूती पर मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में मंथन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के शिक्षा संकाय द्वारा 'छात्रों और अध्यापकों के समृद्ध संबंध' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के बेहतर वातावरण, अनुशासन और छात्र-शिक्षक संवाद को लेकर विचार साझा किए गए। कार्यशाला की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के डीन प्रोफेसर सुधांशु सिन्हा मौजूद रहे। मुख्य अतिथि प्रो. सुधांशु सिन्हा ने कहा कि छात्रों और अध्यापकों के बीच मधुर संबंध संस्थान के वातावरण को सकारात्मक बनाते हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने संवाद और विश्वास को शिक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव बताया। प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने अनुशासन को छात्र जीवन की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि अनुशासित छात्र हमेशा बेहतर संबंध और बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीलदत्त मिश्रा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. जीवन यादव, डॉ. प्रज्वलित यादव, डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. संतोष यादव, डॉ. गुलाब मौर्य, डॉ. मुहम्मद आसिफ अंसारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

पंचकोशी यात्रा के दौरान महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोषानंद गिरि जी महाराज पहुंचे दूसरे पड़ाव भीमचंडी

जनपद भीमचंडी धर्मशाला में पंचकोशी यात्रियों के सुविधा हेतु बिजली पानी शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त

वाराणसी, राजातालाब (उत्तरशक्ति)। पुरुषोत्तम मास काशी पंचकोशी पदयात्रा पर निकले कैलाश मठ चैरिटेबल ट्रस्ट काशी के महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोषानंद गिरी जी महाराज अपने श्रद्धालु भक्तगणों के साथ पंचकोशी यात्रा के दूसरे पड़ाव भीमचंडी धर्मशाला नंबर 4 में ठहर कर विश्राम किया तथा साथ में चलने वाले सैकड़ो की संख्या में भक्तगणों को भोजन भी कराया। जिसके दौरान ग्राम प्रधान विजय गुप्ता ने स्वामी आशुतोष आनंद गिरि जी महाराज का पांव भी दबाकर आशीर्वाद लिया। इसके साथ-साथ पंचकोशी यात्रा पर आए हुए यात्रियों ने धर्मशाला तथा आसपास उचित स्थान देखकर विश्राम एवं भोजन किया। विश्राम के दौरान क्षेत्रीय यात्रियों के घर से आए परिवार जनों ने पुण्य फल पाने के उद्देश्य से यात्रियों के थकान दूर करने के लिए सर तथा पांव दबाते नजर आए। ग्राम प्रधान ने बताया कि इस पड़ाव के साफ सफाई के लिए नगर निगम की तरफ से 10 सफाई कर्मी व पानी के लिए तीन टैंकर तथा आराजी लाइन ब्लॉक की तरफ से 20 सफाई कर्मी लगाया गया है तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए ड्यूटी पर लगे राजातालाब पुलिस एवं पीएसी के जवान पैदल भ्रमण करते रहे।पंचकोशी यात्रियों के सुविधा हेतु खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव के निदेशानुसार सेक्रेटरी ललित कुमार के साथ ग्राम प्रधान विजय गुप्ता ने यात्रा के दूसरे पड़ाव भीमचंडी के सभी धर्मशालाओं तथा शौचालय की साफ सफाई तथा बिजली पानी की व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ-साथ इस भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए यात्रियों हेतु पंखा का भी व्यवस्था कराया। ग्राम प्रधान विजय गुप्ता ने धर्मशालाओं में यात्रियों के भोजन के पश्चात जूठे पत्तल को अपने हाथों द्वारा फेंककर सराहनीय कार्य किया और शौचालय के दुर्व्यवस्था को ठीक कराया। विश्राम करने के उपरांत यात्रियों ने अलग-अलग समूह के साथ तीसरे पड़ाव रामेश्वर के लिए रवाना हुए।

45 डिग्री में तप रही काशी: हरियाली खत्म, बनारस बना आग का शहर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी इस समय भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच चुका है, लेकिन लोगों को महसूस होने वाली गर्मी 50 डिग्री जैसी लग रही है। तेज धूप, गर्म हवाओं और उमस भरी रातों ने शहरवासियों का हाल बेहाल कर दिया है।

शहर की सड़कें दिन में तवे की तरह तप रही हैं, जबकि रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। लंका, कैंट, गोदौलिया, चौक और रविन्द्रपुरी जैसे इलाकों में कंक्रीट की इमारतें और डामर की सड़कें दिनभर गर्मी सोखकर रात में छोड़ रही हैं, जिससे तापमान लगातार बढ़ा हुआ महसूस हो रहा है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि शहर से तेजी से खत्म हो रही हरियाली इस संकट की सबसे बड़ी वजह है। कभी पेड़ों की छांव और ठंडी हवाओं के लिए मशहूर काशी अब कंक्रीट के जंगल में बदलती जा रही है। सड़क चौड़ीकरण, बड़े निर्माण कार्यों और अनियोजित शहरीकरण ने हजारों पेड़ों को खत्म कर दिया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले गंगा घाट पर सुबह-शाम ठंडी हवाएं महसूस होती थीं, लेकिन अब वहां भी गर्मी से राहत नहीं मिलती।

गर्मी का असर स्वास्थ्य पर भी साफ दिखाई दे रहा है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और त्वचा रोगों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। वहीं बिजली की मांग बढ़ने से ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते हरियाली बचाने और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और भयावह हो सकती है।

तमंचे के बल पर लूट करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार, लूटी गई बाइक बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना पुलिस ने लूट की वारदात का खुलासा करते हुए तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, दो मोटरसाइकिल, नकदी और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

बताया गया कि 18 मई को गैरवाह (पश्चिम पूरा) निवासी राजकुमार सिंह अपनी स्प्लेंडर बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान गेठुआ गांव के पास पल्सर बाइक सवार तीन बदमाशों ने तमंचा दिखाकर उनसे स्प्लेंडर बाइक और दो हजार रुपये लूट लिए थे। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी अलीपुर की तरफ फरार हो गए थे। घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सरपतहां पुलिस सक्रिय हुई। थानाध्यक्ष यजुवेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मंगलवार को गेठुआ गांव के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपीगण में आकाश चौबे, अर्जुन चौबे उर्फ लाला चौबे और शिवम चौबे उर्फ चंचल निवासी सारी जगदीशपुर थाना अखण्डनगर जनपद सुल्तानपुर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल, लूटी गई स्प्लेंडर बाइक, 2305 रुपये नकद, एक देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में पहले से भी मुकदमे दर्ज हैं।

वसई में हिंदू महासम्मेलन संपन्न, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक जागरूकता पर दिया गया जोर

वसई। वसई (पश्चिम) स्थित विश्वकर्मा हॉल में वसई सनातन धर्म सभा के प्रमुख उत्तम कुमार के नेतृत्व में आयोजित आठवां हिंदू महासम्मेलन एवं सत्संग उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित हिंदू समाज के लोगों ने हिंदू संस्कृति, आध्यात्मिकता, सामाजिक एकता और नई पीढ़ी में संस्कार स्थापित करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में केरल विश्व हिंदू परिषद के महासचिव एडवोकेट अनिल कुमार, आध्यात्मिक गुरु ब्रह्मर्षि मोहनजी, प्रभा एस. नायर, हरि कुमार मेनन, रमेश कटुंगल, के. जी. के. कुरुप, विनोद कुमार, संतोष नायर सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर समर्थ मराठा संस्था के सचिव प्रकाश जाधव, समाजसेवी नंदकिशोर पवार, हिंदू जागरण समिति के गणेश कामत समेत कई लोगों को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए शॉल, श्रीफल और स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में एडवोकेट अनिल कुमार ने कहा कि देश में लव जिहाद, लैंड जिहाद और कॉपोरेट जिहाद जैसी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को अपनी संस्कृति, परंपरा और अस्तित्व की रक्षा के लिए संगठित और जागरूक रहने की आवश्यकता है। आध्यात्मिक गुरु ब्रह्मर्षि मोहनजी ने आध्यात्मिकता, परंपराओं और भारतीय संस्कृति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपने इतिहास, संस्कृति और धर्म से दूर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों में संस्कार विकसित करने की जिम्मेदारी सबसे पहले माता-पिता की होती है। यदि बचपन से ही मंदिर जाने, धार्मिक ग्रंथ पढ़ने और भारतीय संस्कृति से परिचित कराने की आदत डाली जाए, तो आने वाली पीढ़ी सशक्त और संस्कारित बनेगी। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर उद्घाटन और प्रयागराज महाकुंभ को भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि यह हमारी पीढ़ी का सौभाग्य है कि हमें इन ऐतिहासिक अवसरों का साक्षी बनने का अवसर मिला। कार्यक्रम के आयोजक उत्तम कुमार ने कहा कि पिछले सात वर्षों से वसई में लगातार हिंदू महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है और इस वर्ष इसका आठवां आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि ब्रह्मर्षि मोहनजी द्वारा गणेशपुरी के चांबली क्षेत्र में आश्रम निर्माण का संकल्प लिया गया है, जिसके माध्यम से आदिवासी समाज के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से जुड़े विभिन्न कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में के. सुरेंद्रन, शंकर, राजगोपाल नांबियार, नंदगोपाल मेनन, मंगरा सुकुमार, सबरीनाथ मेनन, पवनन के., पद्मा कुरुप, बिंदु नायर, देवदास मेनन और आर. के. नायर सहित कई लोगों का विशेष योगदान रहा।

पालकमंत्री गणेश नाईक और डॉ सावरा ने वेदांता हॉस्पिटल का दौरा किया

वसई। धुंधलवाड़ी / कासा, पालघर जिला पालघर जिले में हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे का जायजा लेने के लिए, पालघर जिले के गार्डियन मिनिस्टर गणेश नाइक और पालघर लोकसभा खासदार डॉ हेमंत सावरा,भरत राजपूत ने धुंधलवाड़ी में वेदांता हॉस्पिटल का दौरा किया। इस समय, हादसे में घायल मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में डॉक्टरों से पूरी जानकारी ली गई और उनके इलाज के बारे में जरूरी निर्देश दिए गए। उसके बाद, दुर्घटनास्थल का दौरा किया गया और स्थिति का जायजा लिया गया। साथ ही, कासा रूरल हॉस्पिटल का दौरा किया गया और मेडिकल सुविधाओं और इलाज के सिस्टम के बारे में जानकारी ली गई।इस मुश्किल समय में, प्रशासन, हेल्थ सिस्टम और स्थानीय नागरिक तालमेल से काम कर रहे हैं और प्रार्थना है कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।

16 वर्षीय किशोर में 27 MM का दिल का छेद: इंदौर में डॉक्टरों ने 20 मिनट में दी नई जिंदगी

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर(उत्तरशक्ति)। मामला खंडवा पास गांव में रहने वाले किशोर का है। पिछले छह महीनों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से परेशान था। उसे लगातार थकान, घबराहट, सांस फूलना और कमजोरी महसूस होती थी। पिछले दो महीनों में उसकी हालत इतनी बिगड़ गई थी कि वह कई बार अचानक बेहोश भी हो जाता था। परिवार ने कई जगह इलाज करवाने की कोशिश की, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण महंगा इलाज संभव नहीं हो पा रहा था। इसके बाद किशोर को 15 मई को इंडेक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल इंदौर लाया गया, जहां जांच में उसके दिल में 27 एमएम का बड़ा छेद पाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि वह 'एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट' नामक जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित था। इस बीमारी में दिल के ऊपरी दोनों चेम्बर्स के बीच छेद हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार प्रभावित होने लगता है। समय पर इलाज नहीं मिलने पर यह बीमारी जानलेवा भी साबित हो सकती है। पैरों की नसों के माध्यम से कैथेटर डालकर दिल तक पहुंचाया । पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी एक्सपर्ट डॉ. सुदीप वर्मा ने बताया कि इस केस में 16 मई को ओपन हार्ट सर्जरी की बजाय आधुनिक इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी तकनीक से ऑपरेशन किया गया। इस प्रक्रिया में पैरों की नसों के माध्यम से कैथेटर डालकर दिल तक पहुंचाया गया। फिर विशेष एएसडी डिवाइस और सेप्टल ऑक्लूडर लगाकर छेद को बंद किया गया। पूरी प्रोसेस लगभग 20 मिनट में पूरी हो गई। डॉक्टरों के अनुसार इस तकनीक में बड़े चीरे की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे मरीज जल्दी स्वस्थ होता है और संक्रमण का खतरा भी काफी कम रहता है। किशोर अभी एडमिट है और उसे जल्द डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी त्योहार बकरीद ईदुल अजहा के मद्देनजर मंगलवार को स्थानीय कोतवाली परिसर में एसडीएम कुणाल गौरव की अध्यक्षता में पीस कमेटी की मीटिंग सम्पन्न हुई।जिसमें नगर और आसपास के सम्भ्रांत नागरिकों और कुबार्नी से जुटे लोगो को सम्बोधित करते हुए एसडीएम कुणाल गौरव ने कहा की बकरीद पर किसी भी नई परम्परा का आरंभ नही होगा।कुबार्नी शासन द्वारा निर्धारित नियमों के तहत ही की जॉयेगी। प्रतिबंधित जानवरो की कुबार्नी करने वाले को हरगिज बक्शा नही जाएगा।उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाई की जॉयेगी। वही प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने कहा की कुबार्नी के जानवरों का मलबा इधर उधर न फेंक करके बल्कि कमसे कम पांच फीट का गड्ढा खोदकर उसमें डाले।नगर पालिका द्वारा पानी और साफ सफाई का पूरी व्यवस्था रहेगी।किसी प्रकार के अराजकता फैलाने वालों पर कठोर कार्यवाई की जॉयेगी।नमाज के बाबत प्रभारी निरीक्षक ने कहा की नमाज मस्जिद परिसर के अंदर ही अदा की जॉयेगी।सड़कों पर नमाज नही होने दी जाएगी। उक्त अवसर पर पूर्व वरिष्ठ सभासद मकसूद हसन, अरशद अंसारी,प्रधान इस्तियाक अहमद, मुस्तकीम अहमद, मो. महफूज, सभासद श्रेयांश गुप्ता, गणेश चौहान, आसुतोष अग्रहरि, विनय सिंह, सर्वेश चौरसिया,चिंताहरण शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

चौकियां-नईबाजार मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, तीन युवकों की मौत

-सरिता यादव

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चौकियां-नईबाजार मार्ग पर सोमवार को हुई भीषण सड़क दुर्घटना ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। काशी गोमती ग्रामीण बैंक के सामने दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवकों ने वाराणसी ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। जानकारी के अनुसार सरौनी पश्चिम पट्टी निवासी अविनाश उर्फ मेटी पुत्र संजू अपने साथियों अमित कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार, पंकज कुमार पुत्र जोखू तथा ईशु कुमार पुत्र संजय कुमार के साथ एक ही बाइक से अपने घर से देवकली बाजार की ओर जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक चौकियां नईबाजार स्थित काशी गोमती ग्रामीण बैंक के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक पर चांदेपुर थाना खानपुर, जनपद गाजीपुर निवासी गजराज कुमार पुत्र रामजियावान अपने पुत्र सूरज के साथ जौनपुर से गाजीपुर की ओर जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए अविनाश कुमार पुत्र मंजू, अमित कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार, पंकज कुमार पुत्र जोखू, ईशु कुमार पुत्र संजय कुमार तथा गजराज कुमार पुत्र रामजियावान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

हादसे में सूरज पुत्र गजराज की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं वाराणसी ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मंगलवार को अविनाश कुमार पुत्र मंजू तथा अमित कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार ने भी दम तोड़ दिया। दोनों युवकों की मौत की खबर मिलते ही परिवारों में कोहराम मच गया और गांव में मातम छा गया।

बताया जाता है कि अविनाश चार भाइयों और दो बहनों में चौथे नंबर पर था। वह पुणे में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था और 17 मई को ही घर आया था। वहीं 17 वर्षीय अमित अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी दो बहनें हैं। अमित घर पर रहकर शादी समारोहों में टेंट लगाने का कार्य करता था।

घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच में जुट गई है।

नगरसेवक अनिल भोसले का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के प्रभाग क्रमांक 14, काशीमीरा में नगरसेवक अनिल भोसले का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन 17 मई की शाम 7:00 बजे उनके कार्यालय में किया गया, जहां भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि विधायक नरेंद्र मेहता ने अपने हाथों से फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक नरेंद्र मेहता ने नगरसेवक अनिल भोसले को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों में उनका योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर जनसेवा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

उन्होंने आगे कहा कि उनकी दिल से कामना है कि जनसेवा के क्षेत्र में अनिल भोसले का कार्य और अधिक उत्साह एवं लगन के साथ निरंतर जारी रहे। इस शुभ अवसर पर महापौर श्रीमती डिंपल मेहता, हंसमुख गहलोत, भाजपा नेता एड. रवि व्यास, दीपक सावंत, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे, नगरसेवक पंकज पांडेय (दरोगा), नगरसेवक तुषार पारधी, सचिन म्हात्रे, नितिन म्हात्रे, नगरसेविका श्रीमती ज्योत्स्ना हसनाले, नगरसेविका एड. श्रीमती मयूरी सचिन म्हात्रे, श्रीमती कविता भोये, श्रीमती विनीता अभिमाने, मधुसूदन पांडेय, प्रदीप शर्मा सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने नगरसेवक अनिल भोसले को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नगरसेवक अनिल भोसले ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं शुभचिंतकों का दिल से आभार व्यक्त किया।

स्नेहा दुबे पंडित उसगाव डोंगरी मे लेबर ऑर्गनेशन मे मौजूद

वसईरोड। उसगांव डोंगरी, भटाने, वसई में महाराष्ट्र स्टेट लेबर ऑर्गनाइजेशन द्वारा आदिवासी बच्चों के लिए आयोजित बाल संस्कृति, लीडरशिप डेवलपमेंट, हैंडीक्राफ्ट, पेंटिंग, सिंगिंग, डांस, योग और अलग-अलग कल्चरल एक्टिविटी के प्रोग्राम में मुझे चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होने का मौका मिला। आदिवासी समुदाय के स्टूडेंट्स में पढ़ाई के साथ-साथ संस्कृति, कला, लीडरशिप क्वालिटी और आत्मविश्वास जगाने के मकसद से आयोजित यह प्रोग्राम बहुत ही इंस्पायरिंग और तारीफ के काबिल है। स्टूडेंट्स के ऑल-राउंड डेवलपमेंट के लिए समाज को ऐसी एक्टिविटी की बहुत जरूरत है, और लेबर ऑर्गनाइजेशन लगातार सोशल कमिटमेंट के साथ काम कर रहा है। इस मौके पर मेरे साथ ट्राइबल डेवलपमेंट रिव्यू एरिया कमिटी के चेयरमैन (मिनिस्ट्रियल रैंक) और लेबर ऑर्गनाइजेशन के फाउंडर माननीय भी थे। इस मौके पर मेट्रो के असिस्टेंट जनरल मैनेजर विवेक भाऊ पंडित, श्रीमती योगिनी सुर्वे, पूर्व प्रेसिडेंट रामभाऊ वार्ना, लेबर ऑर्गनाइजेशन की प्रेसिडेंट श्रीमती सीता घाटल, वर्किंग प्रेसिडेंट बलराम भोईर, जनरल सेक्रेटरी विजय जाधव के साथ-साथ श्रमजीवी संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, आदिवासी छात्र और छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद थे। आदिवासी समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा, संस्कृति और लीडरशिप डेवलपमेंट के जरिए काबिल और आत्मनिर्भर बनाने की यह कोशिश निश्चित रूप से प्रेरणा देने वाली है।

सीजीआई के कॉकरोच और परजीवी बयान को लेकर युवाओं में आक्रोश

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। गरीबी बेरोजगारी मुक्त भारत और किसान संगठनों ने मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति सूर्य कांत द्वारा बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच और परजीवी कहे गए अपमानजनक कथन की निंदा करते हुए न्यायिक जवाबदेही सुनिश्चित करने, महाभियोग चलाने और बर्खास्तगी हेतु तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन, जिलाधिकारी आजमगढ़ को दिया।

वक्ताओं ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने बेरोजगार युवाओं, छात्रों को कॉकरोच और परजीवी कहकर घोर अपमान किया है। यह सिर्फ एक टिप्पणी नहीं है, यह एक पूरी सोच है, जो बेरोजगारी की समस्या को सरकार और व्यवस्था की नाकामी मानने के बजाय छात्रों-छात्राओं और युवाओं को दोषी ठहराती है। जब लाखों युवा डिग्री लेकर भी नौकरी नहीं पा रहे हैं, तब न्याय के सर्वोच्च रक्षक उन्हें कीड़े-मकोड़े बताकर उनकी पीड़ा पर नमक छिड़क रहे हैं। यह युवा-विरोधी, छात्र-विरोधी और जन-विरोधी मानसिकता है। यह गलत सोच युवाओं की मेहनत, सपनों और गरिमा पर हमला है। बेरोजगारी, सरकार की नीतियों, आर्थिक विफलता और व्यवस्था की निकम्मेपन की देन है, युवाओं की नहीं।

गरीबी बेरोजगारी मुक्त भारत और किसान संगठनों ने सीरेआई द्वारा तत्काल सार्वजनिक माफी और उनके आचरण को अनुचित मानते हुए संसद में महाभियोग चलाकर बर्खास्तगी की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। बेरोजगारी मुक्त भारत और युवाओं के सम्मान की ठोस कार्ययोजना घोषित करने की मांग की। प्रदर्शन में राजीव यादव, वीरेंद्र यादव, डाक्टर राजेंद्र यादव, अधिवक्ता विनोद यादव, सत्यम प्रजापति, हीरालाल यादव, नंदलाल, अवधेश यादव, अनिल गुप्ता मौजूद रहे।

कालीन उद्योग को नई उड़ान देने की तैयारी, निवेश और सुविधाओं पर मंथन

-सुरेश गांधी

भदोही। प्रदेश के कालीन उद्योग को नई गति देने और निर्यात क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान के उद्देश्य से सोमवार को कारपेट एक्सपो मार्ट, भदोही में उत्तर प्रदेश सरकार की इन्वेस्ट उप्र टीम और कालीन उद्योग से जुड़े प्रमुख निर्यातकों के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग से संबंधित लंबित मुद्दों, आधारभूत ढांचे के विकास और निर्यात को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में इन्वेस्ट उप्र की पांच सदस्यीय टीम में एजीएम पॉलिसी निखिल दीक्षित, एजीएम इन्वेस्टमेंट पॉलिसी समीर मेहदी, अंकुर कौशल (कनेक्ट सेल) और जिला उद्योग विभाग के उद्यमी मित्र राजेश कुमार शामिल रहे। वहीं कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के उपाध्यक्ष असलम महबूब, प्रशासनिक समिति सदस्य एवं एकमा सचिव पियूष बरनवाल सहित लगभग 20 उद्योग प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

बैठक के दौरान कारपेट एक्सपो मार्ट में लंबे समय से लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कर उसके नियमित संचालन को प्रारंभ कराने पर जोर दिया गया। साथ ही भदोही में प्रस्तावित मेगा टेक्सटाइल एवं कालीन मेले के आयोजन के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, एयर व रेल कनेक्टिविटी, होटल सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं पर गंभीर चर्चा हुई।

उद्योग प्रतिनिधियों ने कालीन उद्योग के समक्ष मौजूद चुनौतियों और आवश्यकताओं को भी सामने रखा। परिषद के उपाध्यक्ष असलम महबूब ने भदोही, मिजार्पुर, सोनभद्र, प्रयागराज और जौनपुर के आईटीआई संस्थानों में कालीन बुनाई, धुलाई, कटाई, डिजाइन और फिनिशिंग से संबंधित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की मांग की। इसके अलावा उद्योग के लिए रियायती दर पर भूमि उपलब्ध कराने, कालीन बुनकरों को पावरलूम बुनकरों की तर्ज पर निश्चित दर पर बिजली देने तथा एलसीएल योजना के तहत निर्यात शिपमेंट में सब्सिडी प्रदान करने का सुझाव दिया।

एकमा सचिव पियूष बरनवाल ने कहा कि कालीन उद्योग को कौशल विकास मिशन से जोड़ा जाए और विश्वकर्मा सम्मान योजना के तहत बुनकरों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही जीआई टैग आधारित उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन राशि देने का भी सुझाव रखा गया। बैठक के अंत में इन्वेस्ट उप्र टीम ने उद्योग जगत को भरोसा दिलाया कि सभी सुझावों और मांगों पर प्रदेश सरकार स्तर पर गंभीरता से विचार करते हुए उद्योग हित में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में कालीन निर्यातक अमित मौर्या , एजाज अहमद, पंकज बरनवाल, महफूज अहमद, असीम अंसारी, नफीस अहमद, तौसीफ अंसारी, संजय श्रीवास्तव सहित लगभग 20 उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए बनाई गई सख्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन संपन्न कराने के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा 08 जून, 09 जून एवं 10 जून 2026 को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे तक संपन्न कराई जाएगी। जनपद में परीक्षा के लिए कुल 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए 21 केंद्र व्यवस्थापक, 21 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 10 आरक्षित सेक्टर मजिस्ट्रेट, 21 स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं 7 आरक्षित स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए जाएंगे। प्रत्येक पाली में 9216 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता और यातायात व्यवस्था समय से सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को परीक्षा अवधि में निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जिला प्रशासन जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य करेगा और परीक्षा की निष्पक्षता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए परीक्षा अवधि में मोबाइल फोन पूर्णतया प्रतिबंधित रखने को कहा।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा, वरिष्ठ कोषाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी 37 पावर

पटना। एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने अपना नया मोटो जी 37 पावर, मोटो जी 37 और मोटो बड्स 2 लॉन्च किया। यह पावरफुल लाइनअप किफायती कीमत पर सेगमेंट की सबसे दमदार बैटरी, फास्ट 5जी व बेहतरीन परफॉर्मेंस, शानदार एंटरटेनमेंट और बेजोड़ ड्यूरेबिलिटी के साथ स्मार्टफोन के अनुभव को एक नया रूप देने के लिए तैयार किया गया है। इस स्मार्टफोन के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए बिल्कुल नए मोटो बड्स 2 को भी लॉन्च किया गया है, जो बिना किसी प्रीमियम कीमत के ड्यूल ड्राइवर्स, 55 डीबी तक के डायनैमिक एक्टिव नॉइज कैंसलेशन (एएनसी), हाई-रेजोल?यूशन ऑडियो, इंटेलिजेंट कनेक्टिविटी और पूरे दिन के आराम के साथ दमदार व बेहतरीन साउंड देने के लिए डिजाइन किए गए हैं। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने कहा कि मोटोरोला में हमारा मकसद नई टेक्नोलॉजी को हर किसी तक पहुँचाना और प्रीमियम फीचर्स को भारतीय ग्राहकों के लिए आसान बनाना है। मोटो जी 37 पावर के साथ हम इस बजट में ग्राहकों को उम्मीद से कहीं ज्यादा देना चाहते थे। इसीलिए हमने एक शानदार डिजाइन वाले फोन में जबरदस्त बैटरी लाइफ, दमदार परफॉर्मेंस, बेहतरीन एंटरटेनमेंट और सबसे मजबूत स्क्रीन दी है। आज के समय में जब लोग हर वक्त इंटरनेट और डिवाइस से जुड़े रहते हैं, ऐसे में मोटो बड्स 2 हमारी इस कोशिश को और आगे बढ़ाता है ताकि आपकी रोजमर्रा की ज़िंदगी में काम आने वाले सभी स्मार्ट गैजेट्स एक साथ मिलकर काम कर सकें।